मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, सोमवार 26 अक्टूबर 2026 | वर्ष-08, अंक-195, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहडोल में किया 9.77 लाख से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों को 22.89 करोड़ बोनस राशि का वितरण

हाथियों के उत्पात से क्षतिग्रस्त मकान की जगह लोगों को मिलेंगे पक्के मकान

एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि तेंदूपत्ता संग्रहण लाखों वनवासी परिवारों की आजीविका का माध्यम है। राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि मेहनतकश परिवारों को उन हक का पूरा लाभ समय पर मिले। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को शहडोल संभागीय मुख्यालय में हुए एक भव्य कार्यक्रम में तेंदूपत्ता संग्रहण वर्ष 2024 के 9 लाख 77 हजार 696 पात्र संग्राहकों को 22 करोड़ 89 लाख रुपये से अधिक की प्रोत्साहन पारिश्रमिक राशि (तेंदूपत्ता बोनस) का वितरण किया। कार्यक्रम में पांच जिलों (शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, सतना एवं सीधी) के अधीन छह जिला वनोपज सहकारी यूनियनों के हजारों तेंदूपत्ता एवं अन्य वनोपज संग्राहकों ने सहभागिता की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि शहडोल में इंडोर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स बनाया जायेगा, हाथियों के उत्पात से क्षतिग्रस्त मकान की जगह लोगों को पक्के मकान बनाकर दिए जाएंगे, जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र में गोहपारू से रीवा-सतना मार्ग तक सड़क बनाई जायेगी और शहडोल में निजी सहभागिता से एक नई यूनिवर्सिटी खोली जाएगी



मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहडोल में 22.14 करोड़ रुपए से नवनिर्मित वन मंडलाधिकारी कार्यालय का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए।

हमारी सरकार वनवासियों के सम्मान, इनकी आत्मनिर्भरता और समग्र कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 462 करोड़ रुपए लागत के 134 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि पूजन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की प्रमुख घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि शहडोल में अत्याधुनिक सुविधायुक्त एक इंडोर स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स बनाया जायेगा। जयसिंहनगर विस क्षेत्र के गोहपारू में शहडोल-रीवा मुख्य मार्ग से महाविद्यालय एवं औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र तक सड़क निर्माण कराया जायेगा। मुख्यमंत्री ने शहडोल में गीता भवन का निर्माण करने तथा निजी निवेश एवं सहभागिता से यहां एक प्राइवेट यूनिवर्सिटी खोले जाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने शहडोल में नये महाविद्यालय की मांग के संबंध में कहा कि यहां के शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के कालेज को अब कामन कर दिया जायेगा। कालेज में विद्यार्थियों को सह शिक्षा दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उमरिया जिले में जीर्ण-शीर्ण हो चुके एक आवागमन मार्ग पर एमपीआरडीसी द्वारा एक नई सड़क बनाई जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि मानव बस्तियों में प्रवेश कर जिन लोगों के मकान जंगली हाथियों ने तोड़ दिये हैं, उन सभी को वन विभाग द्वारा पक्के मकान बनाकर दिये जायेंगे। वन विभाग इन प्रभावितों के नये घरों में फेंसिंग भी करायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि शहडोल में जल्द ही लौह अयस्क संयंत्र (स्टील फैक्ट्री) खुलने वाली है। इससे 4000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य में शहडोल में फारेस्ट जू एंड रेस्क्यू सेंटर भी बनायेगी।

आईटी कंपनियों को सीएम की चेतावनी

'कन्नड़ लोगों को नौकरी से दूर रखा तो होगी कार्रवाई'

एजेन्सी, **बंगलूरू**



कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि अगर निजी संस्थान राज्य में कन्नड़ लोगों को जानबूझकर नौकरी के अवसर नहीं देते हैं, तो सरकार उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि कन्नड़ लोगों के अधिकारों, सम्मान और रोजगार के अवसरों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

शिवकुमार ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कन्नड़ लोगों को नजरअंदाज किए जाने की शिकायतों को सरकार ने गंभीरता से लिया है। उनके अधिकारों, सम्मान और अवसरों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, यह सुनकर दुख होता है कि बंगलूरू की आईटी कंपनियों में कन्नड़ लोगों को नौकरी के अवसर नहीं दिए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। स्थानीय कन्नड़ भाषी लोगों को नजरअंदाज किए जाने के मुद्दे को सरकार ने गंभीरता से लिया है।

उन्होंने कहा, कर्नाटक में कन्नड़ लोगों का सर्वोच्च स्थान है। सरकार किसी भी कारण से कन्नड़ लोगों के अधिकारों, सम्मान और अवसरों की अनदेखी नहीं होने देगी। शिवकुमार ने कहा कि बंगलूरू को दुनियाभर में भारत की तकनीकी राजधानी के रूप में पहचाना जाता है।

विश्वविद्यालय प्रशासन की शिकायत पर कार्रवाई

जामिया प्रदर्शन: छात्रों से मिलने पहुंचे सांसदों पर एफआईआर

एजेन्सी, **नई दिल्ली**

दिल्ली पुलिस ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचे सांसदों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। विश्वविद्यालय प्रशासन की शिकायत पर यह कार्रवाई अनधिकृत प्रवेश के आरोप में की गई है। सांसद प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलने के लिए परिसर पहुंचे थे।

जामिया के छात्र विश्वविद्यालय छात्र संघ को दोबारा बहाल करने, प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई रद्द करने समेत कई मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। सांसदों का परिसर पहुंचना इसी प्रदर्शन के बीच हुआ। विश्वविद्यालय प्रशासन की शिकायत के बाद दिल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया में रविवार शाम छात्रों ने एक युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। छात्रों का आरोप है कि युवक परिसर में घुसकर



दीवारों पर विवादित नारे लिखने की कोशिश कर रहा था। तलाशी के दौरान उसके बैग से अर्धसैनिक बल की वर्दी और कार्ड, जबकि जेब से तिरंगा झंडा और पावर बैंक मिलने का दावा किया गया। छात्रों ने इसे परिसर और आंदोलन को बदनाम करने की साजिश बताया। उन्होंने बिना बैज के ड्यूटी कर रहे कुछ सुरक्षाकर्मियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए।

इस बीच, जामिया एनएसयूआई इकाई के अध्यक्ष फैजान के मुताबिक, रविवार शाम गेट नंबर सात पर मशाल जुलूस निकाला गया। प्रशासन से बातचीत के लिए दोपहर करीब दो बजे दोबारा ईमेल भेजा गया। छात्रों ने छात्र संघ चुनाव बहाल होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही।

खरगे के बयान पर बवाल: पीएम के पिता पर की गई टिप्पणी पर भड़के शाह

कांग्रेस में गाली-गलौज की राजनीति बची

एजेन्सी, **नई दिल्ली**

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता को लेकर की गई टिप्पणी पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खरगे के बयान की आलोचना करते हुए कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पलिखा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आज पटना में मोदी जी के पिताजी के बारे में अभद्र टिप्पणी कर सारी मयार्दाएं तार-तार कर दी हैं। यह पहली बार नहीं है, जब कांग्रेस पार्टी ने मोदी जी या उनके परिवार को अपशब्द कहे हों। कभी उनकी पूजनीय माताजी के विषय में अपशब्द कहे, कभी उन्हें 'मौत का सौदागर' कहा, तो कभी 'चायवाला' कहकर उनकी गरीबी का उपहास उड़ाया। राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी हर रोज अभद्रता की सीमाएं पार करती जा रही है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि बीते 12 वर्षों में लगातार मिल रही चुनावी हार से कांग्रेस पार्टी में हताशा व निराशा इतनी बढ़ चुकी है कि अब उसके पास न कोई नीति बची है, न कोई मुद्दा, बस गाली-गलौज की राजनीति बची है। जनता के बीच जनाधार खो चुकी कांग्रेस, अब अपने कार्यकताओं में भी आधार खोती जा रही है। शाह ने यह भी दावा किया कि जब-जब इन्होंने मोदी जी या उनके परिवार पर घृणित टिप्पणियां की हैं, तब-तब जनता ने कांग्रेस को करारा जवाब दिया है।

सीएम योगी ने एक्स पर लिखा कि भारतीय राजनीति में 'अपशब्द' का पर्याय बन चुकी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा विश्व के सबसे लोकप्रिय राजनेता और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिवंगत पिता के प्रति की गई अमर्यादित टिप्पणी अक्षम्य और घोर निंदनीय है। यह 145 करोड़ भारत वासियों की भावनाओं का अपमान है। भारतीय लोकतंत्र को शर्मसार करता यह कृत्य कांग्रेस की हताशा, निराशा, कुंठा और वैचारिक दिवालियापन का प्रमाण है। कांग्रेस को अविलंब अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष पर कठोर कार्रवाई करते हुए पूरे देश से क्षमा मांगनी चाहिए।



क्या है मामला?

दरअसल बिहार की राजधानी पटना में रविवार को बिहार के पहले मुख्यमंत्री डॉ. श्रीकृष्ण सिंह की 139वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उस समय हंगामा हो गया, जब खुद को कांग्रेसी बताने वाले एक युवक ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर टिप्पणी की। युवक ने कथित तौर पर कहा कि इस तरह की लड़ाई से पीएम मोदी नहीं जाने वाले। इस पर खरगे ने पीएम मोदी को लेकर अपशब्द बोल दिए, जिस पर हंगामा हो गया। साथ ही, कुछ लोगों ने युवक के साथ हाथापाई भी की।

मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ पटना के कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। यह प्राथमिकी भाजपा नेता कृष्ण कुमार सिंह की ओर से दर्ज कराई गई है। शिकायत में खरगे पर पटना के बापू सभागार में कांग्रेस के एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के संबंध में कथित तौर पर अभद्र और अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। भाजपा नेता कृष्ण कुमार सिंह ने अपनी शिकायत में कहा है कि उन्हें 25 अक्तूबर को टेलीविजन पर प्रसारित समाचार के माध्यम से कथित टिप्पणी की जानकारी मिली। उन्होंने इसे सार्वजनिक जीवन में संवाद की मयार्दा और आपसी सम्मान के खिलाफ बताते हुए नाराजगी जताई। भाजपा नेता ने पुलिस से घटना से संबंधित समाचार, वीडियो और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कराने तथा बयान के वास्तविक शब्दों और संदर्भ की पुष्टि करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि यदि जांच में कानून के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाए।

विरोध में भाजपा का देशव्यापी प्रदर्शन आज

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की टिप्पणी के विरोध में भाजपा सोमवार को देशभर में प्रदर्शन करेगी। भाजपा ने रविवार को इसकी घोषणा की। भाजपा ने एक बयान जारी कर खरगे की टिप्पणी को अपमानजनक और आपत्तिजनक बताया।

महंगाई के खिलाफ सड़कों पर उतरे लाखों लोग

फ्रांस में प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज, 1000 गिरफ्तार

एजेन्सी, **पेरिस**



फ्रांस में महंगाई, स्कूलों की बदहाली और पुलिस की सख्ती के खिलाफ शनिवार को लाखों लोग सड़कों पर उतर आए। पेरिस समेत कई शहरों में प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

पेरिस में मार्च के अंत में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस छोड़ी। गृह मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में करीब 1,000 लोगों को गिरफ्तार किया गया। सरकारी आकंड़ों के मुताबिक प्रदर्शनों में करीब 4 लाख लोग शामिल हुए। दूसरी तरफ ट्रेड यूनियनों ने 8 लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया। सरकारी अनुमान के मुताबिक, पेरिस में करीब 1.10 लाख लोगों ने मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने महंगाई, सरकार की पुलिस व्यवस्था और स्कूलों में सुविधाओं की कमी के खिलाफ आवाज उठाई। उनके हाथों में ऐसे बैनर थे, जिन पर लिखा था- 'दमन से विद्रोह पैदा होता है' और 'प्रदर्शन करना हमारा अधिकार है'।

शुरूआत में प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा। इसमें छात्र, अभिभावक और बुजुर्ग भी शामिल हुए। हालांकि, मार्च खत्म होने के दौरान कुछ नकाबपोश लोगों ने पुलिस पर पत्थर और कांच की बोतलें फेंकीं। कुछ जगह कूड़ेदानों में आग लगाई गई और पुलिस की ओर पटाखे फेंके गए।

'मन की बात' के 12 साल पूरे : मोदी बोले... आज बिहार का मखाना ग्रीस पहुंच रहा

पीएम मोदी बोले- त्योहारों पर स्थानीय कारीगरों से सामान खरीदें

एजेन्सी, **नई दिल्ली**

पीएम मोदी ने त्योहारों के अवसर पर लोगों से स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया। उन्होंने 'मन की बात' के 139वें एपिसोड में कहा कि इससे कारीगरों का उत्साह बढ़ेगा। पीएम ने कहा कि भारत के स्थानीय उत्पादों की वैश्विक मांग बढ़ रही है। बिहार के पूर्णिया का मखाना अब ग्रीस और कर्नाटक के कलबुर्गी की अरहर दाल मालदीव पहुंच रही है, जिससे देश के किसानों के लिए दुनिया भर में नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12 साल पहले विजयादशमी के पावन पर्व पर इस कार्यक्रम की शुरूआत हुई थी और यह यात्रा उनके लिए देशवासियों को करीब से जानने व समझने की एक तीर्थ यात्रा के समान है।

पीएम ने कहा कि 4 नवंबर को महान स्वतंत्रता सेनानी भाई परमानंद जी की 150वीं जयंती है। आर्य समाज और गदर पार्टी से जुड़े भाई परमानंद जी ने दक्षिण अफ्रीका व गुयाना में कार्य किया और आजादी की लड़ाई में काला पानी की सजा काटी। पीएम मोदी ने कहा- परमानंद जी ने भगत सिंह को भी पढ़ाया था। मोदी ने कहा जो लोग अपने जीवन के बाद अंगदान करके जाते हैं। ऐसा ही एक उदाहरण मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम की शिवानी जी का सामने आया है। शिवानी जी एक सड़क दुर्घटना की शिकार हो गई थीं। इसके बावजूद उनके परिवार ने अंगदान का फैसला लिया। यह समाज और देश में एक बड़ा संदेश गया है। मोदी ने कहा कि गांधी जयंती के अवसर पर केवल एक ही दिन में खादी ग्रामोद्योग के उत्पादों की बिक्री 28 करोड़ रुपए से अधिक दर्ज की गई, जो पिछले साल की तुलना में भी करीब डेढ़ करोड़ रुपये ज्यादा है।



भाजपा कार्यकताओं ने सभी 1041 बूथों में सुनीं प्रधानमंत्री जी के मन की बात

जबलपुर। भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर के कार्यकत्ताओं ने शहर के सभी 1041 बूथों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। मन की बात प्रभारी श्री राजेश मिश्रा ने बताया मन की बात कार्यक्रम में लोकसभा संसद श्री आशीष दुबे रानी दुर्गावती मंडल अंतर्गत नीरज वर्मा के निवास पर, जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर पश्चिम विधानसभा स्थित नर्मदा मंडल में, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा बाल्मीकि विवेकानन्द मंडल में होम साइंस स्थित विधायक अभिलाष पांडे के कार्यालय के पास, विधायक श्री अशोक रोहाणी छत्रपति शिवाजी मंडल में संजय ठाकुर के निवास पर , अभिलाष पांडे कुशाभाऊ ठाकरे मंडल में मिलौनीगंज सब्जी मंडी के समीप, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू शहीद भगत सिंह मंडल में निशांत झरिया के निवास पर, जेडीए अध्यक्ष श्री संदीप जैन नर्मदा मंडल में शांति आर्य के निवास पर, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिंकू विज गिरिराज किशोर कपूर मंडल में रत्नेश सैनी के निवास पर, पूर्व मंत्री श्री अंचल सोनकर मुखर्जी मंडल में,प्रदेश मीडिया सह प्रभारी श्रीकान्त साहू अटल बिहारी बाजपेयी मंडल में, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती अश्विनी परांजपे वीर सावरकर मंडल में,प्रदेश प्रवक्ता डॉ वाणी अहलुवालिया महाराणा प्रताप मंडल में, पूर्व मंत्री श्री शरद जैन तिलक मंडल में, पूर्व महापौर श्री प्रभात साहू, दीनदयाल उपाध्याय मंडल में, पूर्व महापौर स्वाति गोडबोले, दीपांकर बेनर्जी, महामंत्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल, अमित सोनू बचवानी एवं सभी जिला पदाधिकारी एवं कार्यकताओं ने अलग अलग बूथों में क्षेत्रीय जनों साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने बताया कि मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी ने समस्त तात्कालिक मुद्दों पर देश की जनता से चर्चा की ।



पुनर्मूल्यांकन में अंकों के बड़े अंतर पर हाईकोर्ट सख्त

माशिमं से मूल्यांकनकर्ता का स्पष्टीकरण लेकर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए गए



एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 10वीं कक्षा की छात्रा की अंग्रेजी विषय की उत्तरपुस्तिका के मूल्यांकन में कथित गड़बड़ी के मामले में सख्त रुख अपनाया है। सभी विषयों में डिस्टिंक्शन हासिल करने वाली छात्रा को अंग्रेजी में महज 39 अंक दिए गए थे। वहीं, उत्तरपुस्तिका की दो स्वतंत्र परीक्षकों से जांच कराने पर एक ने 49 और दूसरे ने 69 अंक देने की सिफारिश की। अंकों में इस बड़े अंतर को गंभीरता से लेते हुए जस्टिस मनिंदर एस. भट्टी की एकलपीठ ने माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) को संबंधित मूल्यांकनकर्ता से स्पष्टीकरण लेकर रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई 5 नवंबर को होगी। जबलपुर जिले के सिहोरा निवासी गौरवी गर्ग ने वर्ष 2023 में कक्षा 10वीं की परीक्षा दी थी। याचिका के अनुसार, छात्रा ने अन्य विषयों में डिस्टिंक्शन प्राप्त किया, लेकिन अंग्रेजी विषय में उसे केवल 39 अंक मिले। इसके बाद उसने पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किया, लेकिन उसके अंकों में कोई बदलाव नहीं हुआ। बाद में छात्रा ने अपनी उत्तरपुस्तिका प्राप्त की। याचिका में आरोप लगाया गया कि कई प्रश्नों के सही उत्तर लिखने के बावजूद उसे शून्य अंक दिए गए। इसी कथित विसंगति को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई। मामले की पिछली सुनवाई 8 अक्टूबर 2026 को हुई थी। उस दौरान अदालत ने छात्रा की उत्तरपुस्तिका का टॉपर्स की उत्तरपुस्तिकाओं से मिलान किया। उपलब्ध विवरण के अनुसार, छात्रा के कई उत्तर टॉपर्स के उत्तरों से मिलते-जुलते या बेहतर पाए गए, जबकि कुछ प्रश्नों में उसे शून्य अंक दिए गए थे।मामले में सामने आई विसंगतियों को देखते हुए अदालत ने उत्तरपुस्तिका का मूल्यांकन दो स्वतंत्र परीक्षकों से कराने के निर्देश दिए थे, ताकि अंकों की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा सके।

स्वतंत्र मूल्यांकन में सामने आया बड़ा अंतर.....

दो स्वतंत्र परीक्षकों की जांच में मूल मूल्यांकन से अधिक अंक देने की सिफारिश की गई। पहले परीक्षक ने छात्रा को 49 अंक, जबकि दूसरे परीक्षक ने 69 अंक दिए जाने की सिफारिश की। मूल मूल्यांकन में मिले 39 अंकों की तुलना में यह अंतर मूल्यांकन प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है। दोनों परीक्षकों की रिपोर्ट के बाद हाईकोर्ट ने माशिमं को संबंधित मूल्यांकनकर्ता से स्पष्टीकरण प्राप्त करने और अपनी रिपोर्ट अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।अब मामले की अगली सुनवाई 5 नवंबर को होगी।

श्रीराम फाइनेंस से जुड़े सैकड़ों छात्रों के चेहरों पर बिखेरी मुस्कान

नवगति-परिवहन परिवार महोत्सव में ट्रांसपोर्ट परिवारों के 1 हजार विद्यार्थियों को दी छात्रवृत्ति

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



विद्यार्थियों के सपनों को साकार करने और शिक्षा के माध्यम से उनके भविष्य को मजबूत करने की दिशा में श्रीराम फाउंडेशन द्वारा एक विशेष पहल की गई। श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड द्वारा श्रीराम एजुकेशन स्कॉलरशिप प्रोग्राम के अंतर्गत 'नवगति - परिवहन परिवार महोत्सव' का आयोजन किया गया। इसके तहत ट्रांसपोर्ट से जुड़े परिवारों के कक्षा 7वीं से 12वीं तक के करीब 1 हजार विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। आयोजन का मकसद शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग प्रदान करना और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण रहा। रविवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इंफॉर्मेशन सेंटर में हुए आयोजन में मुख्य अतिथि महापौर श्री जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' , जेडीए अध्यक्ष श्री संदीप जैन,श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के बिजनेस यूनिट हेड, म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ श्री सचिन सिंह शेखावत, श्री घनश्याम सोनी ज्वाइंट डायरेक्टर शिक्षा, श्री योमेश अग्रवाल, श्री दिनेश सिंह सिंगरोल रहे। अतिथियों ने श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड की इस पहल को सराहा। साथ ही कहा कि ये पहल बच्चों को भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगी। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन होता है। अतिथियों ने बच्चों को जीवन में निरंतर सीखते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित भी किया। श्री शेखावत ने कहा कि यदि हम समाज को एक विशाल इमारत मानें, तो शिक्षा उसकी नींव है। नींव जितनी गहरी और मजबूत होगी, समाज रूपी इमारत उतनी ही सुरक्षित और भव्य बनेगी। आज हम जो 1 हजार बच्चों को छात्रवृत्ति दे रहे हैं, वह दरअसल इसी मजबूत नींव को तैयार करने का एक प्रयास है। इस आयोजन के माध्यम से परिवहन (ट्रांसपोर्ट) से जुड़े परिवारों के विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में ट्रांसपोर्ट परिवारों से जुड़े जबलपुर व आसपास के करीब 1 हज़ार विद्यार्थियों को 4 से 4 हजार 500 रुपए तक की स्कॉलरशिप प्रदान की गई। कृतज्ञता और जड़ों से जुड़ावः शेखावत श्री शेखावत ने बच्चों को यह मंत्र दिया कि वे भविष्य में चाहे जितने भी बड़े और कामयाब इंसान बन जाएं, अपने माता-पिता, शिक्षकों और अपनी जड़ों को कभी न भूलें।

गोसलपुर क्षेत्र की कमान ब्लॉक अध्यक्ष बिहारी को मिली, कार्यकर्ताओं में उत्साह

एक सत बुलेटिन, सिहोरा



जिला कांग्रेस कमेटी जबलपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजय यादव ने ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिहोरा अध्यक्ष बिहारी पटेल को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गोसलपुर का अतिरिक्त प्रभार देकर सिहोरा गोसलपुर दोनों ब्लॉकों का संयुक्त अध्यक्ष नियुक्त किया है यह नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी प्रदेश संगठन मंत्री की सहमति से राज्यसभा सदस्य विवेक कृष्ण तंखा विधायक लखन घनघोरिया प्रदेश सचिव राजेश चौबे की अनुशंसा पर की गई है वरिष्ठ सुबोध पांडे प्रकाश कुररिया सुरेंद्र मिश्रा राज्यसभा सदस्य प्रतिनिधि बाबा कुरैशी नगर अध्यक्ष पवन सोनी जिला उपाध्यक्ष मंजू मिश्रा जिला महासचिव अमोल चौरसिया पार्षद आलोक पांडे गणेश दहिया रमेश पटेल शंकर वंशकार राजेश पटेल नवनीत शुक्ला राजभान शशि कला चौधरी शेख साबिर फैज आलम शाह गुलाम कुरैशी मनीष शुक्ला मनीष खंपरिया डब्बू पाठक उमाकांत चौरसिया सत्येंद्र पटेल ने खुशी प्रकट की हैसंगठन को और अधिक मजबूत और गतिशील बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, स्थानीय राजनीतिक संगठन द्वारा ब्लॉक अध्यक्ष बिहारी को गोसलपुर क्षेत्र का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इस नई जिम्मेदारी के मिलने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों और नेतृत्व द्वारा क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों को रफ्तार देने तथा बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक सक्रिय करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

माता महाकाली का जलवा अलग ही रहा

जबलपुर की महारानी की श्रद्धा पूर्वक विदाई 18 घंटे में पूरा किया 15 किलोमीटर का सफर

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

जबलपुर की महारानी के नाम से प्रसिद्ध लटकारी के पड़ाव गढ़ाफाटक लिंक रोड में स्थापित माता महाकाली का जलवा अलग ही रहा। 15 किलोमीटर का सफर करीब 18 घंटे में पूरा करने के बाद गौरीघाट के भटौली कुंड में सोमवार की सुबह 6 बजे स्मार्ट तरीके से एयर बूम क्रेन द्वारा मातारानी का विसर्जन किया गया। छोटी लाइन फाटक से लेकर गौरीघाट तक मातारानी की भव्य पूजा अर्चना की गयी। रविवार की शाम 4 बजे पड़ाव प्रारंभ होनी थी जो रात 8 बजे से प्रारंभ हो सकी7 महाकाली विसर्जन शोभायात्रा तकरीबन 15 किलोमीटर चलकर ऐतिहासिक भीड़ के साथ गौरीघाट स्थित भटौली कुंड 5 बजकर 25 मिनिट में पहुंची। शोभायात्रा में प्रारंभ से लेकर विसर्जन होने तक कहीं कोई गड़बड़ी न हो इसके लिये भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। पड़ाव से लेकर गौरीघाट तक महाकाली के भक्तों के लिए मार्ग में 150 से अधिक भण्डारों का आयोजन किया गया। समाजसेवियों के साथ अनेक लोगों ने स्वागत मंच के साथ भण्डारा का आयोजन किया। उल्लेखनीय है कि भण्डारा का आयोजन करने वाले प्रदेश के कई शहरों में जबलपुर पहुंचे थे। महाकाली के विसर्जन जुलूस में उम्मीद से अधिक भीड़ होने से शहर में दूसरे दशहरा जैसा माहोल रहा। श्रद्धालू पूरी रात



महाकाली के दर्शन के लिए सड़कों में आते-जाते देखे गए भीड़ में इस बात की चर्चा भी रही कि इस साल जैसे भक्तों की भीड़ इससे पहले कभी नहीं थी इस बात को ध्यान में रखकर चुस्त-दुरुस्त इंतजाम किए गए थे। समिति के अखिल राज ने पूरे 15 दिन भक्तों व प्रशासन के मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

राज्य मिकस बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जबलपुर का शानदार प्रदर्शन

एक सत बुलेटिन, जबलपुर



आगामी 25 एवं 26 अक्टूबर को समन्वय सेवा केंद्र गोरखपुर में राज्य स्तरीय निकस बॉक्सिंग प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता में जबलपुर ने बालक एवं बालिका, दोनों वर्गों में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रकाश दीक्षित उपस्थित रहे। कार्यक्रम में खेल संघ के पदाधिकारियों एवं अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। आज समापन अवसर डॉक्टर प्रकाश धीरावाणी मुख्य अतिथि रहे एवं संजय यादव भारती को को संघ के महासचिव विशिष्ट अतिथि है मध्य प्रदेश बॉक्सिंग संघ के महासचिव निलेश रावल कार्यक्रम के अध्यक्ष रहे प्रतियोगिता के समापन अवसर पर सुभाष माझी महासचिव एवं भारतीय खेल संघ के महासचिव सचिन सिंगोरे एवं अतिथियों द्वारा विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को प्रस्तुत किया गया इस अवसर पर विनोद पोद्दार, अजय शुक्ला, उमाशंकर पटेल, विनोद ठाकुर, प्रवीण गुप्ता, रामदत्त शुक्ला, राकेश श्रीवास, चंद्रशेखर स्वामी, अजय नामदेव, ए एन श्रीवास्तव, सचिन राजपूत, कैलाश एवं संजय सिंह द्वारा प्रतियोगिता के व्यवस्थित संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा ए मंच से संचालन सुनील पटेल द्वारा किया गया।

सिहोरा के अश्विनी पाठक को मिला डॉ. सुमित्र सृजन सम्मान, दीप्ति पटेल को कविता सम्मान

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

पाथेय साहित्य कला अकादमी द्वारा दत्त मंदिर सभागृह में डॉ. राजकुमार सुमित्र स्मृति संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में प्रतिष्ठित साहित्यकार अश्विनी कुमार पाठक, सिहोरा को डॉ. सुमित्र सृजन सम्मान तथा नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दीप्ति पटेल को सुमित्र कविता सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक सेवाओं के लिए संस्थाओं को संस्थाश्री अलंकरण प्रदान किया गया।समारोह में अतिथियों ने डॉ. राजकुमार सुमित्र के साहित्यिक अवदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनका सृजन समाज की मूल धारा से जुड़ा प्रेरणादायी सृजन था। उन्होंने साहित्य को सामाजिक सरोकारों, जीवन मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना से जोड़ा। डॉ. सुमित्र ने संस्कारधानी की समृद्ध साहित्यिक परंपरा को नई ऊंचाइयां भी प्रदान कीं। उनका साहित्य समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ ही नई पीढ़ी को संस्कार, संवेदना और सृजनशीलता की प्रेरणा देता रहेगा। उनके नाम पर आयोजित स्मृति संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह साहित्यिक मूल्यों और रचनात्मक परंपरा को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण उपक्रम है। समारोह में विधायक अजय विश्नोई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. हरिशंकर दुबे ने की। विशिष्ट अतिथि रहे विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन एवं पूर्व महापौर प्रभात साहू रहे। अतिथियों के साथ डॉ. हर्ष कुमार तिवारी, मोहिनी तिवारी, डॉ.कामना कौस्तुभ एवं प्रियम तिवारी ने सम्मान प्रदान किया।



जबलपुर में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया

विशाल सिंह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में जन्मदिन पर रक्तदान

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. विशाल सिंह बघेल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में लाइफ मेडिसिटी हॉस्पिटल, आगम चौक, जबलपुर में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 45 यूनिट रक्तदान हुआ। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों की सहायता करना और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।कार्यक्रम में डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी (प्रदेश सह-संयोजक), डॉ. विवेक जैन (महानगर संयोजक), डॉ. शुभम् अवस्थी (कार्यक्रम प्रभारी), लाइफ मेडिसिटी के संचालक डॉ. मुकेश श्रीवास्तव एवं डॉ. विवेक दीवान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ. अश्विनी कुमार त्रिवेदी ने बताया कि रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस रक्तदान शिविर के माध्यम से थैलेसीमिया एवं सिकल सेल एनीमिया से पीड़ित बच्चों की सहायता के लिए रक्त उपलब्ध कराने का प्रयास समय-समय पर किया जाता है। इस अवसर पर डॉ.सचिन बुधौलिया, डॉ.सुनील दुबे, डॉ.श्याम सिद्दा, डॉ. श्रीकांत साहू, नीलू जैन, रोशनी आनंदी, डॉ. मुकेश पांडेय, सतेंद्र दुबे, पुनीत सहित अन्य चिकित्सक एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। रक्तदान महादान आपका रक्त, किसी के जीवन की नई उम्मीद।

स्टेट बार काउंसिल के चुनाव गुप्त मतदान से कराने के निर्देश

अध्यक्ष सहित अन्य पदों के लिये प्रक्रिया 28 को बीसीआई ने जारी किया पत्र

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल में अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों का चुनाव 28 अक्टूबर को प्रस्तावित है. अध्यक्ष पद को लेकर रस्साकसी का दौर चल रहा है. इस पद के लिये एडवोकेट विजय चौधरी, अखण्ड प्रताप सिंह, आरके सिंह सैनी और शैलेन्द्र वर्मा के नाम प्रमुखता से लिये जा रहे हैं. बहरहाल चुनाव को लेकर बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। बीसीआई ने स्पष्ट किया है कि किसी पद के लिए दो या दो से अधिक उम्मीदवार विधिवत नामांकित होते हैं, तो चुनाव गुप्त मतदान (सीक्रेट बैलेट) के माध्यम से कराया जाना चाहिए। ऐसी स्थिति में हाथ उठाकर मतदान कराने के बजाय गोपनीय मतपत्र से चुनाव कराना नियमों के अनुरूप आवश्यक होगा। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के सचिव अशोक कुमार पांडेय द्वारा 24 अक्टूबर 2026 को जारी पत्र के अनुसार, मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल के छह नवनिर्वाचित सदस्यों ने पदाधिकारियों के चुनाव में गुप्त मतदान अपनाने की मांग की थी। इन सदस्यों में नवीन शुक्ला, राकेश सिंह भदौरिया, दिनेश शुक्ला, प्रवीण तिवारी, नित्यानंद मिश्रा और वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र कुमार शर्मा शामिल हैं। इनकी ओर से 21 और 22 अक्टूबर 2026 को प्रस्तुत आवेदनों में अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों के चुनाव गुप्त मतदान से कराने का आग्रह किया गया था। सदस्यों ने अपने आवेदन में मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल रूल्स के चैप्टर-5 के नियम-5 का उल्लेख किया था। उनका कहना था कि पदाधिकारियों का निर्वाचन निर्धारित नियमों के अनुसार कराया जाना चाहिए, ताकि मतदान की प्रक्रिया में गोपनीयता बनी रहे। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने अपने पत्र में बार काउंसिल आफ इंडिया रूल्स का हवाला देते हुए गुप्त मतदान की प्रक्रिया पर जोर दिया है। निर्देश के अनुसार, यदि किसी पद के लिए विधिवत नामांकित उम्मीदवारों की संख्या एक से अधिक है, तो चुनाव गुप्त मतदान के माध्यम से कराया जाना चाहिए। इस निर्देश के बाद मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों के निर्वाचन में मतदान की पद्धति महत्वपूर्ण हो गई है। चुनाव प्रक्रिया में संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित करना होगा। बीसीआई ने इस संबंध में मध्य प्रदेश के महाधिवक्ता तथा मध्य प्रदेश स्टेट बार काउंसिल की स्पेशल कमेटी के चेयरमैन प्रशांत सिंह को भी आधिकारिक रूप से सूचित किया है। निर्देश में चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, स्वतंत्र, भयमुक्त और गोपनीय बनाए रखने पर जोर दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने भैंस चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर एक सदस्य को चोरी की दो भैंसें सहित किया गिरफ्तार

ग्वालियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह (भापुसे) के निर्देश पर जिले में चोरों की धरपकड़ के लिए प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अति. पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री जयराज कुबेर द्वारा थाना पिछोर के अपराध क्रमांक 250/26, धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत दर्ज भैंस चोरी के प्रकरण में आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश थाना प्रभारी पिछोर को दिए गए। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि चोरी की गई दो भैंसों को एक सफेद रंग के बोलेरो मैक्स लोडिंग वाहन में लाल तिरपाल से ढककर बहादुरपुर-बरेठा-मालनपुर रोड़ पर ले जाया जा रहा है। उक्त सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना पिछोर पुलिस टीम बताए गए स्थान पर पहुंची, जहां एक सफेद रंग का बोलेरो मैक्स लोडिंग वाहन क्रमांक एमपी07-जेडटी-5477 खड़ा मिला। वाहन में लाल तिरपाल से ढकी दो भैंसें लदी हुई थीं। पुलिस ने मौके से एक व्यक्ति को पकड़ लिया। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम रामेश्वर सिंह उर्फ आकाश खटीक, उम्र 26 वर्ष, निवासी ग्राम ऐनो, थाना एंडोरी, जिला भिण्ड बताया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने भैंस चोरी की वारदात में अपने भाई अरुण खटीक सहित अन्य साथियों की संलिप्तता बताई।

बालक को पुलिस ने अभिरक्षा में लेकर चोरी का सामान एवं नगदी बरामद

ग्वालियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह,भापुसे द्वारा चोरी व नकबजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाकर चोरों को पकड़ने हेतु जिले के समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर के निर्देशों के अनुक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री जयराज कुबेर द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र में हुई चोरी व नकबजनी की घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों को पकड़ने हेतु निर्देषित किया गयाघटना का संक्षिप्त विवरण:- फरियादी प्रमोद शर्मा निवासी वार्ड क्रमांक 05, फूलबाग गेट के सामने, पिछोर, जिला ग्वालियर ने थाना पिछोर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि बस स्टैंड, पिछोर के पास स्थित उसकी शिवानी रेडीमेड कपड़े की दुकान को वह दिनांक 23.10.2026 की रात्रि में रोजाना की तरह बंद कर घर चला गया था। दिनांक 24.10.2026 को सुबह करीब संजू कुशवाह ने फोन कर दुकान का शटर खुला होने की सूचना दी। फरियादी ने मौके पर पहुंचकर देखा तो दुकान के शटर का कुंदा टूटा हुआ था तथा अंदर सामान बिखरा पड़ा था। दुकान में रखे लगभग 10 से 15 नग पैंट-शर्ट, अंडरवियर का एक डिब्बा एवं करीब 10,000 रुपये की नगदी गायब थी। कोई अज्ञात चोर रात्रि में शटर का कुंदा तोड़कर उक्त सामान एवं नगदी चोरी कर ले गया था। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना पिछोर में अपराध क्रमांक 249/26, धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

एजी ऑफिस की जमीन पर बना अवैध मदरसा पर बुलडोजर चलाया जाए - हिंदू महासभा ने किया प्रदर्शन

ग्वालियर। लंबे समय से हिंदू महासभा एजी ऑफिस के पास चल रहे अवैध मदरसे को लेकर जांच के साथ अंकुश लगाने की मांग कर रही थी। आज मदरसे में जो हो रहा था वह जनता के सामने है । हिंदू महासभा इसका विरोध नहीं करें इसलिए जिला प्रशासन ने धारा 163 लगाकर विरोध रोकने का प्रयास किया। हिंदू महासभा का स्पष्ट कहना है कि मदरसे की अवैध निर्माण जो की एजी ऑफिस की भूमि से लगा हुआ है भूमि पर अवैध रूप से बना हुआ है उस पर बुलडोजर चलाया जाए। मध्य प्रदेश के सभी मदरसों की जांच की जाए मदरसे में मिली बच्चियों के डीएनए की जांच की जाए जिससे हिंदू परिवारों की बच्चियों होने का आशंका का स्पष्टीकरण किया जा सके । मदरसे जुड़े हुए गुड्डू वारसी सहित शुक्रवार को आने वाले मुसलमानों की जांच की जाए उक्त मांग को लेकर जिला प्रशासन की रोक के बाद भी हिंदू महासभा ने के पदाधिकारी ने आज हिंदू महासभा भवन , दौलतगंज में विरोध प्रदर्शन कर 7 दिवस में कार्रवाई न होने पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का सड़कों पर विरोध करने की घोषणा की है। विरोध प्रदर्शन में हिंदू महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामबाबू सेन, संभागीय अध्यक्ष पवन गुप्ता, संभागीय संगठन मंत्री मुकेश बघेले, बेरेलिया, राहुल गुप्ता, रोहित जाटव, प्रवीण अष्ठाना, संतोष प्रजापति, आदि उपस्थित थे।

क्लासिकल और सेमी क्लासिकल प्रस्तुतियों ने बांधा समां

नृत्य से जीवंत हुई महिषासुर मर्दन की गाथा

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

21वें आई टी एम उद्भव उत्सव इंटरनेशनल कल्चरल ओलंपियाड के दूसरे दिन आईटीएम यूनिवर्सिटी में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में भारतीय पौराणिक कथाओं, आध्यात्मिक आस्था और अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक विविधता का अनूठा संगम देखने को मिला। विभिन्न कॉलेजों और संस्थानों के 450 विद्यार्थियों ने क्लासिकल और सेमी क्लासिकल नृत्य की 28 प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। किर्गिस्तान और उज्बेकिस्तान से आए कलाकारों ने भी अपनी सांस्कृतिक परंपराओं की झलक प्रस्तुत की। कहीं मां दुर्गा और मां काली की महिमा का बखान हुआ तो कहीं महिषासुर मर्दन की गाथा, भगवान शिव के तेज और श्रीकृष्ण की लीलाओं को नृत्य के माध्यम से जीवंत किया गया। पूरा सभागार तालियों और महाकाल के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंगोलिया के राजदूत श्री उलजीत लवसेनजात उपस्थित थे अध्यक्षता हिमालयन कल्चर इंटरनेशनल स्कूल के अध्यक्ष डॉ. एलपी पोटसंग उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में आई



टी एम यूनिवर्सिटी के डिप्टी रजिस्ट्रार श्री अनिल माथुर उपस्थित रहे , कार्यक्रम में उद्भव संस्था के अध्यक्ष डॉ केशव पाण्डेय, सचिव श्री दीपक तोमर मौजूद रहे। विद्यार्थियों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों, आकर्षक वेशभूषा और नृत्य की सजीव अभिव्यक्ति ने भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को मंच पर उतारा। इस अवसर पर सभी परफॉर्मेंस के बाद संस्था के पदाधिकारियों और वरिष्ठ सदस्यों ने टीम के साथ मंच पर टीम लीडर आई टी एम उद्भव उत्सव की ओर से स्मृति चिन्ह भेट किए गए। कल के आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व नौसेना अध्यक्ष एडमिरल डी.के त्रिपाठी रहेंगे, अध्यक्षता सुप्रसिद्ध नृत्यांगना पद्मश्री डॉ नलनी डॉ कमलनी करेंगी। डेली कॉलेज इंदौर के विद्यार्थियों ने नाट्य और नृत्य के माध्यम से मां दुर्गा और मां काली के विभिन्न स्वरूपों तथा उनकी महिमा का प्रदर्शन किया। वहीं, केडीबी पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद के विद्यार्थियों ने रुद्राक्ष की उत्पत्ति और भगवान शिव की महिमा पर आधारित प्रस्तुति से दर्शकों को आकर्षित किया। प्रेलुद, आगरा के बच्चों ने 'गोविंद बोलो हरि गोपाल' भजन पर भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों की गाथा प्रस्तुत की। नृत्यसंगम

लोकनृत्यों में दिखी जनजातीय परंपरा और मां भवानी की भक्ति

कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन, अमरकंटक के विद्यार्थियों ने संबलपुरी लोकनृत्य के माध्यम से जनजातीय जीवनशैली और लोक संस्कृति की झलक दिखाई। वहीं, संस्कृति द गुरुकुल, गुवाहाटी के कलाकारों ने लोकनृत्य के जरिए क्षेत्रीय परंपराओं का चित्रण किया और मां भवानी की भक्ति एवं आराधना को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। डीपीएस ग्वालियर के विद्यार्थियों ने चंबल क्षेत्र में मां भवानी की भक्ति से जुड़ी लोक परंपरा लांगुरिया को 'मेरो खोय गयो बाजूबंद लंगुरियो मंदिर में' गीत पर प्रस्तुत कर समां बांध दिया। डेली कॉलेज इंदौर के विद्यार्थियों ने महाराष्ट्र में मां दुर्गा भवानी की आराधना की परंपरा को नृत्य के माध्यम से दर्शाया। वहीं, डीपीएस इंटरनेशनल, गुरुग्राम के विद्यार्थियों ने ग्रामीण परिवेश और शेर की कहानी पर आधारित आकर्षक प्रस्तुति दी। लोकनृत्यों के जरिए देश के अलग-अलग क्षेत्रों की परंपराओं, आस्था और जीवनशैली की विविधतापूर्ण झलक देखने को मिली। उद्भव एमयूएन में रूस-यूक्रेन सहित अमेरिका व ईरान युद्ध व विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर से लेकर से एआई तक पर चर्चा. उत्सव के अंतर्गत आयोजित उद्भव एमयूएन (मॉडल यूनाइटेड नेशंस) में भारत के विभिन्न राज्यों और विदेशों से आए विद्यार्थियों ने वैश्विक परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों पर अपने विचार रखे। चर्चा के दौरान रूस-यूक्रेन युद्ध के साथ अमेरिका, ईरान, इजरायल और फिलिस्तीन से जुड़े संघर्षों जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर मंथन किया गया विद्यार्थियों ने वैश्विक महामारी जैसी चुनौतियों से निपटने, अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के दुरुपयोग को रोकने के उपायों पर भी सुझाव दिए। इस गतिविधि ने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय संबंधों, कूटनीति और वैश्विक समस्याओं को समझने तथा तार्किक ढंग से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ वैचारिक विमर्श ने उत्सव को कला, संस्कृति और वैश्विक जागरूकता का साझा मंच बना दिया।

एमआईटीएस के विद्यार्थियों ने सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर युग और कलियुग के विभिन्न पहलुओं को मंच पर साकार किया। प्रस्तुति में भगवान राम के माध्यम से सत्य की विजय, राधा-कृष्ण की लीलाएं, श्रीकृष्ण का विराट स्वरूप और गीता के उपदेश दर्शाए गए। वहीं, कलियुग के चित्रण के माध्यम से बढ़ते स्वार्थ और प्रकृति को हो रहे नुकसान के प्रति चिंता व्यक्त की गई। शिखा शाइन डांस अकादमी के कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण की रासलीलाओं पर आधारित प्रस्तुति दी। इन प्रस्तुतियों ने भारतीय आध्यात्मिक विरासत के साथ अंतरराष्ट्रीय संस्कृतियों की विविधता को भी मंच पर उकेरा।

एनाटॉमी कॉन्फ्रेंस का समापन, ग्वालियर में जल्द ही एनाटॉमी की राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस कराने का प्रयास

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के ओल्ड ऑडिटोरियम में तीन दिन से चल रही एनाटॉमिका एमपी-सीजीकॉन 2026 का रविवार को समापन हुआ। समापन समारोह में शोध पत्रों की प्रस्तुति और पुरस्कार वितरण हुआ। इस अवसर पर जयारोग्य अस्पताल समूह अधीक्षक डॉ.सुधीर सक्सेना ने कहा कि ग्वालियर में जल्द ही एनाटॉमी की राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कराने का प्रयास किया जाएगा। कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन पीजी विद्यार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। इस दौरान उनके शोध कार्यों और प्रस्तुतियों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शोध और अकादमिक गतिविधियों के लिए



प्रोत्साहित किया गया। डॉ. एके दुबे की स्मृति में डॉ. संदीप वाजपेयी और डॉ. अंशु वाजपेयी ने पहली बार पीजी विद्यार्थी को बेस्ट पेपर प्रेजेंटेशन अवॉर्ड प्रदान किया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में शोध के प्रति रुचि बढ़ाना और बेहतर अकादमिक प्रस्तुतियों को प्रोत्साहित करना रहा। तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस में एनाटॉमी के क्षेत्र में शोध, अकादमिक गतिविधियों और चिकित्सा शिक्षा से जुड़े विषयों पर चर्चा हुई। इस मौके पर कांफ्रेंस अध्यक्ष डॉ. सुधीर सक्सेना, सचिव डॉ. अखिलेश त्रिवेदी, सह-सचिव डॉ. मनीष चतुर्वेदी सहित अन्य चिकित्सक मौजूद रहे। कॉन्फ्रेंस का आयोजन एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ चैप्टर के अंतर्गत किया जा रहा है। अगली कॉन्फ्रेंस जबलपुर में होगी कॉन्फ्रेंस के दौरान आयोजित जनरल बॉडी मीटिंग में अगली एमपी-सीजीकॉन का आयोजन जबलपुर में करने का निर्णय लिया गया। वहीं, सर्वसम्मति से एलएन मेडिकल कॉलेज, भोपाल की डॉ. सीमा नायर को एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया का अध्यक्ष चुना गया।

विधायक सिकरवार ने 7 लाख लीटर की पानी की टंकी निर्माण कार्य के लिए किया भूमिपूजन

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र को विकसित और सुविधायुक्त बनाने की दिशा में रविवार को दो बड़े विकास कार्यों की शुरुआत हुई। क्षेत्रीय विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने क्षेत्रवासियों की बहुप्रतीक्षित मांगों को पूरा करते हुए वार्ड क्रमांक 22 में 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाले डॉ. अम्बेडकर मांगलिक भवन सह पार्क और वार्ड क्रमांक 57 में 7 लाख लीटर क्षमता की विशाल पानी की टंकी के निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। पहला भूमिपूजन कार्यक्रम हरीपुरम कॉलोनी, न्यू सुरेश नगर (थाटीपुर) स्थित शासकीय भूमि पर आयोजित हुआ। यहाँ 50 लाख रुपये की निधि से डॉ. आंबेडकर मांगलिक भवन सह पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सतीश सिंह सिकरवार एवं वार्ड 22 के पार्षद प्रमोद खरे ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमिपूजन की औपचारिकताएं पूरी कीं। इस अवसर पर क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुए विधायक डॉ.



सिकरवार ने कहा प्रत्येक नागरिक का जीवन सुगम और सम्मानजनक बनाना मेरा संकल्प है। बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर बनने वाला यह मांगलिक भवन सर्वसमाज के सामाजिक, पारिवारिक और मांगलिक आयोजनों के लिए एक सर्वसुविधायुक्त केंद्र बनेगा। इसके साथ ही विकसित होने वाला पार्क क्षेत्र के बुजुर्गों के टहलने और बच्चों के खेलने के लिए एक सुंदर व स्वच्छ वातावरण प्रदान करेगा। विकास कार्यों की इसी कड़ी में दूसरा भूमिपूजन वार्ड क्रमांक 57 स्थित महाराणा प्रताप नगर में संपन्न हुआ।

पेंशनधारकों के लिए राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 5.0 कल से

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

भारत सरकार पेंशनधारकों की सुविधा के लिए राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र 5.0 चलाने जा रही है। यह अभियान 1 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक चलेगा। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर इसका उद्देश्य पेंशनरों को डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र की प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना और इसे आसान बनाना है। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय प्रयागराज और उसके सभी मंडलों व यूनिटों में इसके लिए विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। इसका बड़े पैमाने पर मेगा कैंप प्रयागराज मंडल में आयोजित होगा। शिविरों के संचालन के लिए मुख्यालय, मंडल और यूनिट स्तर पर नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं। बैंकों और आईपीपीबी की सहभागिता भी सुनिश्चित की गई है, ताकि पेंशनरों को मौके पर ही सहायता मिल सके। वरिष्ठ पेंशनरों पर विशेष फोकस 80 वर्ष और उससे अधिक आयु के पेंशनरों के लिए अक्टूबर में ही



विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं। जो पेंशनर शारीरिक असमर्थता के कारण शिविर तक नहीं आ सकते, उनके घर जाकर DLC बनाने के लिए होम विजिट की व्यवस्था की गई है। शिविरों में ह्रस्ट के साथ-साथ स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए जाएंगे, जिससे पेंशनरों को एक ही स्थान पर दोनों सुविधाएं मिल सकें।

30 नवंबर से गूंजेगी श्रीमद् भागवत कथा अमृतधारा : श्रद्धेय अनिरूद्धाचार्य महाराज करेंगे कथा वाचन

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

शहर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था 'जन उत्थान न्यास' द्वारा ग्वालियर में आगामी नवंबर माह में भव्य एवं दिव्य श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस विशाल धार्मिक अनुष्ठान में विख्यात कथावाचक श्रद्धेय अनिरूद्धाचार्य महाराज अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को कथा का रसपान कराएंगे। यह कथा 30 नवंबर से 7 दिसंबर तक ऐतिहासिक फूलबाग मैदान पर आयोजित होगी।श्रीमद् भागवत कथा के भव्य आयोजन की रूपरेखा एवं व्यवस्थाओं को लेकर जन उत्थान न्यास द्वारा गठित मुख्य आयोजन समिति की एक बृहद बैठक जीवाजी क्लब में आयोजित की गई। बैठक में



मुख्य रूप से कथा के सूत्रधार एवं जन उत्थान न्यास के अध्यक्ष ओर विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, महेश मुदगल्, सुरेश कस्तवार 'दादा', डॉ. राम पाण्डे, संयुक्त सचिव अवधेश कौरव, अचलेश्वर न्यास पूर्व अध्यक्ष हरिदास अग्रवाल, समाजसेवी राजीव चढ्ढा, सतेन्द्र सिंह भदौरिया 'गुरूजी', सुरेश नीखरा, डॉ. राकेश अग्रवाल, बबीता डाबर, बेताल सिंह,पुरुषोत्तम भार्गव ,अहिवरन सिंह,आदि मौजूद रहे। बैठक में समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने कथा को सुव्यवस्थित, भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे। बैठक में कथा स्थल की बैठक व्यवस्था, पेयजल, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा तथा शहरभर से आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

स्थानीय समस्याओं के तकनीकी समाधान पर रहा विशेष जोर

विद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया भाग

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

विज्ञान भारती, ग्वालियर द्वारा आयोजित ग्वालियर विज्ञान महोत्सव 2026 का तृतीय संस्करण 23 एवं 24 अक्टूबर को अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान (ABV-IIITM), ग्वालियर के सुंदर परिसर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। दो दिवसीय इस महोत्सव का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, नवाचार, रचनात्मकता एवं तकनीकी कौशल को प्रोत्साहित करना तथा ग्वालियर की स्थानीय समस्याओं के तकनीकी समाधान खोजने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करना था। महोत्सव के प्रथम दिवस, 23 अक्टूबर को विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 870 विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया तथा 95 शिक्षक उपस्थित रहे। वहीं, दूसरे दिन, 24 अक्टूबर को महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 350 विद्यार्थियों ने सहभागिता की तथा 200



टीमों ने प्रतियोगिताओं के लिए पंजीयन कराया। महोत्सव के अंतर्गत नवोन्मेष (आइडिया एवं मॉडल प्रतियोगिता), अभिमत (वाद-विवाद प्रतियोगिता), मंथन (शिक्षक संगोष्ठी), प्रेरणा तथा युक्ति (रील प्रतियोगिता) प्रमुख आकर्षण रहे। दोनों दिनों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी वैज्ञानिक सोच, नवाचारी विचारों, तार्किक क्षमता एवं तकनीकी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए दोनों दिनों में कुल 24 निर्णायकगण ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निर्णायकों ने प्रतिभागियों के विचारों, मॉडलों एवं प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करते हुए प्रतियोगिताओं को सफल बनाने में योगदान दिया। महोत्सव के प्रथम दिवस पर मध्य प्रदेश बाल आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा, मध्य प्रदेश वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया तथा विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिवकुमार शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही। इन विशिष्ट अतिथियों की सहभागिता ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और विज्ञान एवं नवाचार के प्रति उनकी रुचि को प्रोत्साहित किया।

संपादकीय

शरिया में फांसी

मनुष्य हजारों वर्ष से समाज बनाकर चल रहा है इसीलिए मनुष्य को सामाजिक प्राणी भी कहा जाता है। समाज का निर्माण 100-200 साल पुरानी घटना नहीं है। मनुष्य ने समाज रचा। समाज के सदस्यों ने अपने लिए आचार संहिता बनाई। प्राचीनकाल में स्वयं अपनी गढ़ी आचार संहिता को लेकर उसने समाज का संचालन किया। सामाजिक अनुबंध सिद्धांत के जन्मदाताओं में हॉब्स का नाम बहुत पुराना है। उन्होंने लिखा है कि प्रारंभ में व्यवस्था अराजक थी। उन्होंने इसे प्रकृति की स्थिति माना। अनुमान है-उन्होंने उसी अराजक व्यवस्था से मुक्त होने के लिए एक सामान्य शपथपत्र या एफिडेविट दोहराया होगा।

हॉब्स के ग्रंथ लेवियाथन में शपथपत्र में लिखा गया है, मैं अपने ऊपर शासन करने का अधिकार इस एक मनुष्य या मनुष्यों की इस सभा को देता हूँ और इसे अधिकृत करता हूँ, इस शर्त पर कि तुम भी अपने ऊपर शासन करने का अधिकार इसी मनुष्य या मनुष्यों की इस सभा को अर्पित करो। इसके सभी कार्यों को इसी रूप में स्वीकार करो। समाज के जन्म और विकास का अध्ययन करने वाले अधिकांश विद्वानों ने समाज के जन्म के संदर्भ में लगभग यही विचार व्यक्त किए हैं। उत्तर वैदिक काल में कथा है कि समाज की दशा अराजक हो गई थी। अराजकता से पीड़ित लोग मनु के पास गए। उन्होंने मनु से शासक हो जाने की प्रार्थना की। मनु ने इनकार किया। इस काम में एकत्रित सभी लोगों ने प्रस्तावित शासक/राजा को खेती की उपज का एक भाग देते रहने और आज्ञा मानते रहने का आश्वासन दिया। मनु शासक बनने को तैयार हो गए।

समाज में शांति व्यवस्था बनाए रखने का काम नेशन स्टेट का होता है। शासन व्यवस्था के संचालन में सबसे खास बात है दण्ड। दण्ड देने की व्यवस्था के चलते अपराध घटते बढ़ते रहे। देशकाल के अनुसार दण्ड का स्वरूप भिन्न-भिन्न तरह का था। गुप्त शासकों के शासन में उच्च कोटि की प्रशासनिक व्यवस्था थी। उस समय भारतीय दण्ड व्यवस्था के कानून भी सरल और उदार थे। अपराधों की गुणता के आधार पर दण्ड दिया जाता था। प्राण दण्ड नहीं दिया जाता था। चीनी यात्री फाान ने यहां के शासन की प्रशंसा की है।

भिन्न-भिन्न राजाओं, तानाशाहों, बादशाहों ने अपने अपने ढंग से दण्ड व्यवस्था को लागू करने का उपक्रम किया है। दण्ड कई प्रकार के होते हैं लेकिन प्राणदण्ड हमेशा ही बहस का मुद्दा रहा है। प्राण प्रकृति का उपहार हैं। शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के लिए शासक अर्थदण्ड, कारागार जैसे दण्ड देते रहे हैं। भारत के राष्ट्रजीवन में प्राणदण्ड को अच्छा नहीं माना जाता। प्राणदण्ड वैसे भी बहस का विषय है। एक पक्ष चाहता है कि प्राणदण्ड न दिया जाए। दूसरा पक्ष आतंकवादी घटनाओं जैसे अपराधों में प्राणदण्ड देने को पक्षधर है। लेकिन मनुष्य का जीवन प्रकृति का असाधारण उपहार है।

दुनिया के 112 देश अपने यहां प्राणदण्ड की व्यवस्था खत्म कर चुके हैं। जान पड़ता है कि इसी के समानांतर सऊदी अरब, कुवैत, कतर आदि देशों में प्राणदण्ड की घटनाएं बढ़ रही हैं। भारत की स्थिति अलग है। यहाँ संविधान (अनुच्छेद 21) में साफ-साफ कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति को विधिक कार्यवाही के बिना प्राण और दैहिक स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जाएगा। जहां भारत में दण्डात्मक कार्यवाही के प्रयोग में अतिरिक्त सतर्कता बरती जाती है, वहीं पिछले सप्ताह सऊदी अरब में दो बांग्लादेशी नागरिकों को बिना किसी गहन न्यायायिक विचारण के ही मृत्यदण्ड दे दिया गया। इसे फांसी या मृत्युदण्ड कहना समझ में नहीं आता। यह सीधे राज्य प्रायोजित हत्या है। फांसी दी गई। उनके घर वालों को भी सूचित नहीं किया गया। किसी भी स्तर पर उसका अपराध नहीं बताया गया।

दोनों बांग्लादेशी थे और रोजगार के सिलसिले में सऊदी अरब गए थे। नजरुल इस्लाम और स्वीटी अख्तर को मक्का की एक मस्जिद में गंभीर अनैतिक कृत्य का दोषी बताया था। यह सजा इस्लामी शरिया कानून के तहत न्यायधीश के विवेकाधिकार (ताजीर) से दी गई। इस घटना की पहले से कोई सूचना न मिलने के कारण बांग्लादेश सरकार ने सऊदी अरब से आधिकारिक स्पष्टीकरण मांगा है। अपराध की गुरुता के अनुसार ही दण्ड दिये जाते हैं लेकिन सऊदी अरब, बहरीन, कतर आदि में अपराध की गुरुता पर सम्यक विचार नहीं होता। ऐसे देशों में इस्लामिक कानून-शरिया के अनुसार किसी भी व्यक्ति का जीवन छीन लिया जाता है। हमारे पड़ोसी पाकिस्तान में ईश निन्दा कानून है। इस्लामिक शरीया में अल्लाह और उसके पैगम्बर व कुरान की कथित निन्दा पर प्राणदण्ड का प्राविधान है। पाकिस्तान में कोई भी व्यक्ति किसी भी व्यक्ति पर ईश निन्दा का आरोप लगाता है। न्यायायिक विचारण होता है और उसे मृत्युदण्ड दे दिया जाता है।

स्ट्रीट फूड के लिए नए सिरे से नियमन की जरूरत

योगेश कुमार सोनी

> देशभर में स्ट्रीट फूड का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। सड़क किनारे मिलने वाला खाना आम लोगों के लिए सस्ता और आसानी से उपलब्ध विकल्प है लेकिन इसके साथ खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता का सवाल भी लगातार गंभीर होता जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इन दुकानों पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उनमें इस्तेमाल होने वाली सामग्री कई स्थानों पर यह आरोप सामने आते रहे हैं कि सड़क किनारे दुकान लगाने की अनुमति या पुलिस की निगरानी के नाम पर अवैध वसूली होती है।

देशभर में स्ट्रीट फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों तक सड़क किनारे ठेले, रेहड़ी और छोटी दुकानों पर मिलने वाला भोजन आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। कम कीमत, आसानी से उपलब्धता और स्थानीय स्वाद इसकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। लेकिन इसके साथ भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्ट्रीट फूड बेचने वाले लाखों छोटे कारोबारी अपनी आजीविका इसी व्यवसाय से चलाते हैं। इसलिए नियमन का उद्देश्य उन्हें परेशान करना या उनकी रोजी-रोटी छीनना नहीं होना चाहिए। जरूरत ऐसे व्यावहारिक नियमों की है, जिनसे कारोबार भी चलता रहे और लोगों को सुरक्षित एवं स्वच्छ भोजन भी मिल सके।

सरकारों को स्ट्रीट फूड के लिए एक व्यापक और आधुनिक नियामक व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। इसमें साफ पानी की उपलब्धता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, खाना बनाने और परोसने की स्वच्छता, कचरा निस्तारण, हाथ धोने की व्यवस्था तथा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों की सफाई जैसे मानकों को अनिवार्य किया जा सकता है। साथ ही खाद्य विक्रेताओं के लिए आसान पंजीकरण और नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था भी होनी चाहिए।

देशभर में स्ट्रीट फूड का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। सड़क किनारे मिलने वाला खाना आम लोगों के लिए सस्ता और आसानी से उपलब्ध विकल्प है लेकिन इसके साथ खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता का सवाल भी लगातार गंभीर होता जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इन दुकानों पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और उनमें इस्तेमाल होने वाली सामग्री कई स्थानों पर यह आरोप सामने आते रहे हैं कि सड़क किनारे दुकान लगाने की अनुमति या पुलिस की निगरानी के नाम पर अवैध वसूली होती है। यदि कहीं ऐसा हो रहा है तो इसकी निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारी तय होना जरूरी है। किसी भी सरकारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण खाद्य सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए।

स्ट्रीट फूड में इस्तेमाल होने वाले तेल, मसाले, दूध, पनीर, मांस, पानी और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच बेहद जरूरी है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि खाद्य सामग्री किस स्रोत से खरीदी जा रही है, उसे किस तरह रखा जा रहा है और खाना तैयार करने वाले व्यक्ति स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं। कई बार खराब या दूषित खाद्य पदार्थ खाने से लोगों के बीमार पड़ने की खबरें सामने आती हैं। गंभीर मामलों में खाद्य विषाक्तता जानलेवा भी हो सकती है। ऐसे मामलों में केवल दुकान संचालक को दोषी ठहराने के बजाय यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि संबंधित इलाके में निगरानी और निरीक्षण की जिम्मेदारी किस विभाग की थी और क्या नियमित जांच वास्तव में की गई थी।

स्ट्रीट फूड कारोबार को बंद करना इसका समाधान नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसके लिए स्पष्ट और व्यावहारिक नियमावली बनाई जाए। प्रत्येक दुकान या ठेले का पंजीकरण हो, खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जाए, स्वच्छता के मानक तय हों और समय-समय पर खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाए। इसके साथ ही स्थानीय निकाय, खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की जानी चाहिए। पुलिस का काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, जबकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच के लिए सक्षम खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की व्यवस्था होनी चाहिए। जहां अवैध वसूली या भ्रष्टाचार की शिकायत हो, वहां स्वतंत्र जांच और कार्रवाई की व्यवस्था भी होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसी व्यक्ति की जान जाने के बाद कार्रवाई करने के बजाय खाद्य सुरक्षा की नियमित निगरानी पहले से सुनिश्चित की जाए। स्ट्रीट फूड लाखों लोगों की रोजमर्रा की जरूरत और रोजगार का माध्यम है, इसलिए इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। सवाल केवल यह नहीं है कि सड़क किनारे खाना कौन बेच रहा है। असली सवाल यह है कि जो खाना लाखों लोग खा रहे हैं, उसकी गुणवत्ता की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि अलग-अलग शहरों में स्ट्रीट फूड कारोबार के लिए नियम, निगरानी और उनके पालन की व्यवस्था एक जैसी नहीं है। स्थानीय निकायों, खाद्य सुरक्षा विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है। छोटे विक्रेताओं को केवल दंडित करने के बजाय पहले उन्हें प्रशिक्षण, बुनियादी सुविधाएं और स्पष्ट दिशानिर्देश उपलब्ध कराए जाने चाहिए।

स्ट्रीट फूड को शहरों की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का हिस्सा मानते हुए इसके लिए निर्धारित वेंडिंग जोन विकसित किए जा सकते हैं। इन स्थानों पर स्वच्छ पानी, कूड़ेदान, जल निकासी और साफ-सफाई जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इससे विक्रेताओं और ग्राहकों दोनों को लाभ होगा तथा सड़कों पर अव्यवस्था भी कम हो सकती है। सरकारों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि खाद्य सुरक्षा के नाम पर बनाए गए नियम इतने जटिल न हों कि छोटे दुकानदार उनके पालन में ही असमर्थ हो जाएं। डिजिटल पंजीकरण, सरल लाइसेंस प्रक्रिया और कम लागत वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम इस दिशा में मददगार हो सकते हैं। स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। इसके बजाय इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और स्वच्छ बनाना ज्यादा व्यावहारिक रास्ता है।

बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है। आखिरकार सवाल सिर्फ सड़क किनारे बिकने वाले भोजन का नहीं बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य और लाखों छोटे कारोबारियों की आजीविका का है। इसलिए स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके।

न्यू स्टार्ट के बाद परमाणु हथियारों की नई होड़

अमरेश द्विवेदी

परमाणु हथियारों की प्रतिस्पर्धा महंगी भी है और जोखिमपूर्ण भी। नई मिसाइलें, पनडुब्बियां, बमवर्षक और परमाणु कमांड एवं कंट्रोल सिस्टम विकसित करने में भारी संसाधन लगते हैं। इससे सैन्य बजट पर दबाव बढ़ता है और ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है जिसमें सुरक्षा बढ़ाने के नाम पर उठाया गया कदम दूसरे देश के लिए खतरा बन जाए। आज की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच भरोसा कमजोर हो रहा है और पुराने नियंत्रण तंत्र समाप्त हो रहे हैं। ऐसे समय में संवाद, पारदर्शिता और सत्यापन की व्यवस्था पहले से अधिक जरूरी हो जाती है। न्यू स्टार्ट का अंत अमेरिका और रूस के बीच हथियार नियंत्रण के एक युग का अंत जरूर है लेकिन इसे परमाणु हथियारों पर नियंत्रण की कोशिशों का अंतिम अध्याय नहीं माना जाना चाहिए।



हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए जाने के 81 साल बाद दुनिया एक बार फिर परमाणु खतरे के दौर में प्रवेश करती दिखाई दे रही है। परमाणु हथियारों पर नियंत्रण के लिए बनाए गए कई महत्वपूर्ण समझौते या तो समाप्त हो चुके हैं या कमजोर पड़ गए हैं। इसी बीच अमेरिका, रूस और चीन समेत प्रमुख परमाणु शक्तियां अपने परमाणु शस्त्रागार के आधुनिकीकरण और विस्तार में जुटी हैं। इससे परमाणु हथियारों की नई होड़ और गलतफहमी के कारण परमाणु संघर्ष का जोखिम बढ़ने की चिंता सामने आ रही है। जनवरी में ह्यबुलेटिन ऑफ द एटॉमिक साइंटिस्ट्सह्न ने अपनी ह्यडूम्सडे क्लॉकह्न को आधी रात से 85 सेकंड पहले पर रखा था। यह 1947 में घड़ी बनाए जाने के बाद से मानवता के संभावित विनाश के सबसे करीब का संकेत था। यह घड़ी किसी वास्तविक समय की गणना नहीं बल्कि परमाणु हथियारों, जलवायु परिवर्तन और अन्य वैश्विक जोखिमों के आधार पर वैज्ञानिकों की चेतावनी का प्रतीक है। इसका संदेश साफ था कि दुनिया को परमाणु खतरे को सामान्य मानने से बचना होगा।

इस चिंता को और बढ़ाने वाली सबसे बड़ी घटनाओं में से एक अमेरिका और रूस के बीच ह्यन्यू स्ट्रैटेजिक आर्म्स रिडक्शन ट्रीटी (न्यू स्टार्ट) 5 फरवरी, 2026 को समाप्त हो गई है। यह अमेरिका और रूस के रणनीतिक परमाणु हथियारों पर सीमा लगाने वाला आखिरी प्रमुख द्विपक्षीय समझौता था। इसके तहत दोनों देशों के लिए तैनात रणनीतिक परमाणु हथियारों और उनके डिलीवरी सिस्टम पर सीमाएं तय थीं। संधि ने दोनों देशों को एक-दूसरे की परमाणु क्षमताओं के बारे में जानकारी हासिल करने और सत्यापन की व्यवस्था भी दी थी। न्यू स्टार्ट के समाप्त होने से अमेरिका और रूस के पास अपने रणनीतिक परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाने की अधिक गुंजाइश बन गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसका सबसे बड़ा खतरा केवल हथियारों की संख्या बढ़ने से नहीं बल्कि पारदर्शिता और भरोसे के कमजोर होने से है। संधि के तहत दोनों देशों के बीच डेटा साझा किया जाता था, निरीक्षण होते थे और परमाणु गतिविधियों पर बातचीत के लिए संस्थागत तंत्र मौजूद था। इन व्यवस्थाओं ने गलत अनुमान और अचानक सैन्य प्रतिक्रिया के जोखिम को कम करने में भूमिका निभाई।

हालांकि, कोविड-19 महामारी के दौरान ऑन-साइट निरीक्षण बाधित हुए और बाद में रूस ने निरीक्षणों को रोक दिया। इसके बावजूद संधि के कई प्रावधान दोनों देशों को एक-दूसरे की रणनीतिक क्षमताओं का अनुमान लगाने में मदद करते रहे। अब इसके समाप्त होने के बाद खुफिया एजेंसियों को परमाणु गतिविधियों की निगरानी में अधिक अनिश्चितता का सामना करना पड़ सकता है। यदि किसी शुरूआती चेतावनी प्रणाली में तकनीकी समस्या या संदिग्ध गतिविधि दिखाई देती है तो गलत तरीके से यह माना जा सकता है कि कोई हमला शुरू हो रहा है।

दूसरी ओर, अमेरिका और रूस दोनों अपने परमाणु शस्त्रागार को आधुनिक बनाने की योजनाओं पर आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिका अपनी परमाणु त्रयी- पनडुब्बियों, अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों और रणनीतिक बमवर्षक विमानों के आधुनिकीकरण पर भारी निवेश कर रहा है। रूस भी अपने रणनीतिक हथियारों और नई पीढ़ी की डिलीवरी प्रणालियों को विकसित कर रहा है। यदि एक देश अपनी परमाणु क्षमता बढ़ाता है तो दूसरा देश भी जवाब में ऐसा करने की कोशिश कर सकता है। यही कार्रवाई और प्रतिक्रिया का चक्र हथियारों की नई दौड़ को जन्म दे सकता है।

इस बदलते परमाणु समीकरण में चीन की भूमिका भी तेजी से महत्वपूर्ण हो रही है। पिछले वर्षों में चीन ने अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार तेज किया है। अमेरिकी आकलनों के अनुसार, चीन के परमाणु हथियारों की संख्या आने वाले वर्षों में काफी बढ़ सकती है। चीन के बढ़ते सैन्य और परमाणु सामर्थ्य ने अमेरिका की रणनीतिक योजना को भी प्रभावित किया है। इससे परमाणु हथियारों की पारंपरिक अमेरिका-रूस प्रतिस्पर्धा अब तीन प्रमुख शक्तियों के बीच जटिल रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में बदल रही है। यूरोप में भी रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच परमाणु सुरक्षा को लेकर चर्चा तेज हुई है। फ्रांस ने अपने परमाणु प्रतिरोधक ढांचे को यूरोपीय सहयोगियों की सुरक्षा से जोड़ने की संभावना पर जोर दिया है। फिनलैंड ने अपने कानूनों में बदलाव कर विदेशी परमाणु हथियारों की संभावित तैनाती का रास्ता खोला है, जबकि लिथुआनिया में सामूहिक विनाश के हथियारों से जुड़े कानूनी प्रावधानों में बदलाव की पहल हुई है। ये कदम यूरोप में बदलते सुरक्षा माहौल को दशार्ते हैं।

परमाणु अप्रसार की वैश्विक व्यवस्था पर भी दबाव बढ़ रहा है। परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का उद्देश्य परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकना और निरस्त्रीकरण की दिशा में आगे बढ़ना है। लेकिन परमाणु शक्तियों के बीच हथियार नियंत्रण वार्ता में रुकावट और नए हथियारों के आधुनिकीकरण ने इस व्यवस्था की प्रभावशीलता को लेकर सवाल खड़े किए हैं। परमाणु हथियारों पर प्रतिबंध की संधि भी अस्तित्व में है, लेकिन परमाणु शक्तियां और उनके अधिकांश प्रमुख सहयोगी इसके पक्षकार नहीं हैं। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर विवाद ने भी वैश्विक अप्रसार व्यवस्था को चुनौती दी है। अमेरिका और इजराइल की सैन्य कार्रवाई तथा ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर जारी तनाव ने इस मुद्दे को और संवेदनशील बना दिया है। ऐसे माहौल में परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए कूटनीतिक प्रयासों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका और महत्वपूर्ण हो जाती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि न्यू स्टार्ट का समाप्त होना हथियार नियंत्रण का अंत नहीं होना चाहिए। इसके बजाय अमेरिका और रूस के बीच नए समझौते की जरूरत है, जिसमें रणनीतिक परमाणु हथियारों के साथ-साथ कम दूरी और कम क्षमता वाले गैर-रणनीतिक परमाणु हथियारों को भी शामिल किया जाए। इसके अलावा डेटा एक्सचेंज, निरीक्षण, मिसाइल परीक्षणों की जानकारी और आपसी संचार के तंत्र को फिर से मजबूत करने की आवश्यकता होगी। चीन को हथियार नियंत्रण की बातचीत में शामिल करना भी एक बड़ी चुनौती है। अमेरिका चीन की बढ़ती परमाणु क्षमता को देखते हुए भविष्य की बातचीत में उसकी भागीदारी चाहता है लेकिन चीन ने अब तक अमेरिका और रूस जैसी औपचारिक मात्रात्मक सीमाओं में सीमित रुचि दिखाई है। इसलिए भविष्य का हथियार नियंत्रण मॉडल शीत युद्ध के दौर के द्विपक्षीय समझौतों से अलग हो सकता है।

परमाणु हथियारों की प्रतिस्पर्धा महंगी भी है और जोखिमपूर्ण भी। नई मिसाइलें, पनडुब्बियां, बमवर्षक और परमाणु कमांड एवं कंट्रोल सिस्टम विकसित करने में भारी संसाधन लगते हैं। इससे सैन्य बजट पर दबाव बढ़ता है और ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है जिसमें सुरक्षा बढ़ाने के नाम पर उठाया गया कदम दूसरे देश के लिए खतरा बन जाए। आज की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि परमाणु हथियारों से लैस देशों के बीच भरोसा कमजोर हो रहा है और पुराने नियंत्रण तंत्र समाप्त हो रहे हैं। ऐसे समय में संवाद, पारदर्शिता और सत्यापन की व्यवस्था पहले से अधिक जरूरी हो जाती है।

मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के संचालन और निगरानी के लिए 7 क्षेत्रीय कंपनियों के कार्यालयों की स्थापना एवं विस्तार की प्रक्रिया शुरू

एमपीवाईपीआईएल के मुख्यालय भोपाल में बनेगा कमांड एंड कंट्रोल सेंटर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को आधुनिक, सुलभ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू की गई है। इसके प्रभावी संचालन के लिए मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के मुख्यालय तथा 7 क्षेत्रीय सहायक कंपनियों के कार्यालयों की स्थापना एवं विस्तार का कार्य किया जा रहा है। एमपीवाईपीआईएल का मुख्यालय भोपाल स्थित स्मार्ट सिटी परिसर में स्थापित किया जा रहा है। यहां कमांड एंड कंट्रोल सेंटर भी स्थापित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 150 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था होगी। इस सेंटर के माध्यम से 7 क्षेत्रीय कंपनियों के साथ समन्वय कर प्रदेशभर में संचालित बसों की निगरानी की जाएगी। साथ ही यात्रियों की सुरक्षा और परिवहन सेवाओं के प्रभावी नियंत्रण की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी। वर्ष 2030-31 तक लगभग 15 हजार बसों के संचालन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इन कंपनियों के माध्यम से प्रदेश में सिटी बस, इंटरसिटी बस और इंटरस्टेट बस सेवाओं का संचालन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने 25 सितंबर 2026 को पीएम ई-बस सेवा-मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का शुभारंभ किया था। इसके साथ ही एमपीवाईपीआईएल के माध्यम से प्रदेश में बसों का विधिवत संचालन प्रारंभ हो गया है। परिवहन सेवाओं के बेहतर प्रबंधन, संचालन में समन्वय और यात्रियों की सुरक्षा के



लिए मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कंपनियों के स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की जा रही हैं। प्रदेश में बस परिवहन सेवाओं के बेहतर संचालन और निगरानी के लिए भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रीवा जिले में 7 क्षेत्रीय सहायक कंपनियों के कार्यालय स्थापित एवं विकसित किए जा रहे हैं। यह क्रमशः भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड, अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड, उज्जैन सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड, जबलपुर सिटी लिंक ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड, ग्वालियर-चंबल यात्री परिवहन सेवा लिमिटेड, सागर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड और रीवा सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड शामिल हैं। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना आईएसबीटी भवन में की जा रही है। यहां लगभग 120 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था होगी। कार्यालय में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से भोपाल के साथ नर्मदापुरम, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सीहोर, हरदा और बैतूल जिलों में संचालित बसों की निगरानी, सुरक्षा एवं नियंत्रण किया जाएगा इंदौर में अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड के कार्यालय का विस्तार एवं उन्नयन किया जा रहा है। वहीं, उज्जैन में उज्जैन सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड के कार्यालय की स्थापना परिवहन कार्यालय, उज्जैन में की जा रही है। दोनों कार्यालयों का कार्य जनवरी 2027 तक पूरा होने की संभावना है। प्रत्येक कार्यालय में लगभग 120 अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था होगी। एआईसीटीएसएल के माध्यम से धार, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर जिलों में बसों के संचालन, सुरक्षा एवं नियंत्रण का कार्य किया जाएगा। वहीं यूसीटीएसएल के कार्यालय से देवास, रतलाम, शाजापुर, आगर मालवा, मंदसौर और नीमच जिलों की बसों की निगरानी की जाएगी। जबलपुर सिटी लिंक ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड के कार्यालय का विस्तार एवं उन्नयन आईएसबीटी भवन, जबलपुर में प्रस्तावित है। 31 मार्च 2027 तक कार्यालय का विस्तार एवं उन्नयन का कार्य पूर्ण होने की संभावना है।

जयपुर में 22 से 24 नवंबर तक होगा आयोजन

जयपुर सिल्वर शो 2026 में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगा भोपाल सराफा महासंघ

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**



जयपुर में आयोजित होने वाले जयपुर सिल्वर शो 2026 में मध्य प्रदेश के ज्वेलरी व्यापारियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भोपाल सराफा महासंघ सक्रिय भूमिका निभाएगा। इस संबंध में देश के जाने-माने ज्वेलरी ट्रेड मोटिवेटर अंकित वैद्य तथा जयपुर सिल्वर एसोसिएशन के चेयरमैन उज्ज्वल डेरेवाला और सेक्रेटरी राहुल जैन ने भोपाल सराफा महासंघ के पदाधिकारियों एवं प्रमुख व्यापारियों के साथ बैठक की। बैठक में मध्य प्रदेश और राजस्थान के ज्वेलरी उद्योग के बीच व्यापारिक सहयोग बढ़ाने तथा कारोबारियों को नए अवसर उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई। बैठक में भोपाल सराफा महासंघ के अध्यक्ष सुशील धनवानी और सुमंत सोनी को मध्य प्रदेश में शो के समन्वय एवं प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी सौंपी गई। महासंघ ने प्रदेश के ज्वेलरी व्यापारियों को इस आयोजन से जोड़ने और उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। बैठक में कहा गया कि ऐसे आयोजन व्यापारियों को नवीनतम डिजाइनों, उत्पादों और बाजार के बदलते रुझानों से परिचित कराने के साथ राष्ट्रीय स्तर पर कारोबारी संपर्क विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। बैठक के दौरान अंकित वैद्य द्वारा ज्वेलरी उद्योग में नई पीढ़ी और महिलाओं को जागरूक एवं शिक्षित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई।22 नवंबर से जयपुर में होगा आयोजन जयपुर सिल्वर शो 2026 का आयोजन 22 से 24 नवंबर 2026 तक जयपुर के बी.एम. बिड़ला ऑडिटोरियम में किया जाएगा। इस आयोजन में देशभर के ज्वेलरी व्यापारी, निर्माता, थोक विक्रेता और डिजाइनर हिस्सा लेंगे। शो में सिल्वर ज्वेलरी, सिल्वर जेम्स तथा सिल्वर और गोल्ड गिफ्टिंग से जुड़े उत्पादों एवं नवीनतम कलेक्शन को प्रदर्शित किया जाएगा। इसका उद्देश्य कारोबारियों को एक साझा मंच उपलब्ध कराना और उनके उत्पादों के लिए नए बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद करना है।

बीईओ कार्यालय में पेंडिंग पड़ी अतिथि शिक्षक चयन में गड़बड़ी की शिकायतें



■ एक सत बुलेटिन, **बैरसिया।**

बैरसिया ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अतिथि शिक्षक चयन में स्कूल स्तर पर हुई गड़बड़ी की अधिकतर शिकायतें पेंडिंग पढ़ी हुई है। इधर स्कूलों में पढाई का आधा शैक्षणिक सत्र बीत चुका है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक चालू शैक्षणिक सत्र 2026 -27 हेतु शिक्षकों की कमी पूरी करने हेतु रखे जाने वाले अतिथि शिक्षको की ऑनलाइन चयन प्रक्रिया होने के बावजूद नजीराबाद ललरिया गुनगा नायसमंद सोहाया संकुल स्कूल अंतर्गत की प्राथमिक, माध्यमिक एव हाईस्कूल में रखे अतिथि शिक्षकों के चयन में हुई गड़बड़ी की शिकायतें सीएम हेल्पलाइन सहित जनसुनवाई ओर बीईओ कार्यालय में आवेदकों द्वारा की शिकायतों का बीईओ रामनारायण वास्त्री द्वारा समय सीमा में निराकरण नही किया जा रहा है। इस कारण कई पात्र अतिथि शिक्षक भटकते नजर आ रहे। शिकायत कर्ता अतिथि शिक्षकों का कहना है की उनका नाम ब्लॉक स्तरीय पैनल में टॉप पर होने के बावजूद नीचे के क्रम वालो को साठगांठ पूर्वक शाला प्रभारियों ने अपात्र को अतिथि रख लिये है ओर पैनल में पात्रता रखने वालों को आमंत्रित नही किया गया। और न उन्हें मेसेज अथवा फोनकर नही बताया गया इतना ही नही कुछ स्कूलों में तो फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अतिथि शिक्षक बना दिए अतिथि शिक्षक चयन मामले में जिम्मेदारो द्वारा जानबूझकर की गई शिकायतें बीईओ कार्यालय में निराकरण के इंतजार में पेंडिंग बताई जा रही है।

संघ स्थापना के 101 वर्ष पूर्ण होने पर दीनदयाल नगर भानपुर बस्ती में निकला पथ संचलन



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 101 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज दीनदयाल नगर भानपुर बस्ती में पथ संचलन का आयोजन किया गया। संचलन का शुभारंभ भानपुर चौराहे से हुआ। स्वयंसेवकों ने अनुशासित रूप से बस्ती के विभिन्न मार्गों से भ्रमण किया। इसके पश्चात संचलन का समापन पुनः भानपुर चौराहे पर हुआ।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भोपाल विभाग के शारीरिक शिक्षण प्रमुख श्री सुधांशु चतर ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 101 वर्षों की अथक तपस्या, संघर्ष और राष्ट्रसेवा की यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने संघ की विचारधारा, संगठन की भूमिका तथा राष्ट्र निर्माण में स्वयंसेवकों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने पंच परिवर्तन के सूत्रों को दोहराते हुए सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी जीवनशैली और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। साथ ही, भारत को विश्व पटल पर गौरवपूर्ण स्थान दिलाने के लिए समाज की सक्रिय भागीदारी, राष्ट्र के प्रति समर्पण और संगठित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर नगर के माननीय संघचालक श्री प्रदीप जैन मंच पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने सहभागिता कर अनुशासन, संगठन और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया।

भोपाल मंडल में पेयजल गुणवत्ता की सघन निगरानी

1744 क्लोरीन एवं 126 बैक्टीरियोलॉजिकल जांचों में सभी नमूने उपयुक्त





■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल द्वारा रेल यात्रियों एवं रेलकर्मियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जल की गुणवत्ता की नियमित निगरानी एवं जांच की जा रही है। इसी क्रम में 28 सितंबर से 22 अक्टूबर 2026 तक अवशिष्ट क्लोरीन (ऋह्यद्यस्रह्लड्डद्य ष्टद्धद्यश्रह्लद्धठ्ठद्द), बैक्टीरियोलॉजिकल जांच तथा रासायनिक विश्लेषण के माध्यम से पेयजल की गुणवत्ता की जांच की गई। इस अवधि में भोपाल मंडल में अवशिष्ट क्लोरीन के 1,744 नमूनों की जांच की गई और सभी नमूने निर्धारित मानकों के अनुरूप पाए गए। इसी प्रकार, बैक्टीरियोलॉजिकल जांच के लिए लिए गए सभी 126 नमूनों के परिणाम भी उपयुक्त पाए गए। इसके अतिरिक्त, इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किए गए एक रासायनिक परीक्षण का परिणाम भी उपयुक्त रहा। बैक्टीरियोलॉजिकल जांच के कुल 1,870 नमूनों में सभी नमूने उपयुक्त पाए गए। रासायनिक परीक्षण का परिणाम भी संतोषजनक रहा। सीनियर डीसीएम श्री सौरभ कटारिया ने बताया कि मंडल द्वारा रेलवे स्टेशनों एवं अन्य संबंधित स्थानों पर पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जल स्रोतों और जलापूर्ति व्यवस्था की नियमित निगरानी की जा रही है। जांच के दौरान गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है। भोपाल मंडल यात्रियों एवं रेलकर्मियों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

4 मेमू ट्रेनें निरस्त रहेंगी, 2 एक्सप्रेस ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से चलेंगी तथा 8 ट्रेनों के प्रारंभिक एवं गंतव्य स्टेशनों में होगा परिवर्तन

बीना यार्ड रीमॉडलिंग के बाद यात्री ट्रेनों के संचालन में अस्थायी बदलाव

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

बीना स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के बाद लाइनों एवं प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता तथा अन्य परिचालन संबंधी कमियों के कारण रेल प्रशासन द्वारा यात्री ट्रेनों के संचालन में अस्थायी बदलाव किए गए हैं। इसके अंतर्गत 4 मेमू ट्रेनें निरस्त रहेंगी, 2 एक्सप्रेस ट्रेनें परिवर्तित मार्ग से संचालित होंगी तथा कुछ मेमू ट्रेनों के प्रारंभिक एवं गंतव्य स्टेशनों में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। निरस्त रहने वाली यात्री ट्रेनें 1. बीना-रूठियाई मेमू (61611): यह ट्रेन दिनांक 26 एवं 27 अक्टूबर 2026 को निरस्त रहेगी। 2. रूठियाई-बीना मेमू (61612): यह ट्रेन दिनांक 26 एवं 27 अक्टूबर 2026 को निरस्त रहेगी। 3. बीना-रूठियाई मेमू (61625): यह ट्रेन दिनांक 26 एवं 27 अक्टूबर 2026 को निरस्त रहेगी। 4. रूठियाई-बीना मेमू (61626): यह ट्रेन दिनांक 26 एवं 27 अक्टूबर 2026 को निरस्त रहेगी। परिवर्तित मार्ग से संचालित होने वाली ट्रेनें 1. मुजफ्फरपुर-सूरत एक्सप्रेस (19054): यह ट्रेन दिनांक 25 अक्टूबर 2026 को परिवर्तित मार्ग आगासोद-मालखेड़ी-महादेवखेड़ी होकर फ्लाईओवर मार्ग से बीना स्टेशन को बायपास करते हुए संचालित होगी। 2. ओखा-गोरखपुर एक्सप्रेस (15046): यह ट्रेन दिनांक 25 अक्टूबर 2026 को परिवर्तित मार्ग महादेवखेड़ी-मालखेड़ी-आगासोद



होकर फ्लाईओवर मार्ग से बीना स्टेशन को बायपास करते हुए संचालित होगी। प्रारंभिक एवं गंतव्य स्टेशनों में अस्थायी बदला 1. कटनी-बीना मेमू (11602): यह ट्रेन दिनांक 26 एवं 27 अक्टूबर 2026 को बीना के स्थान पर खुरई स्टेशन पर आंशिक रूप से समाप्त होगी। 2. बीना-कटनी मेमू (11601): यह ट्रेन दिनांक 27 अक्टूबर 2026 को बीना के स्थान पर खुरई स्टेशन से प्रारंभ होगी। 3. कोटा-बीना मेमू (11603): यह ट्रेन दिनांक 26 एवं 27 अक्टूबर 2026 को बीना के स्थान पर महादेवखेड़ी स्टेशन पर आंशिक रूप से समाप्त होगी। 4. बीना-कोटा मेमू (61634): यह ट्रेन दिनांक 26 एवं 27 अक्टूबर 2026 को बीना के स्थान पर महादेवखेड़ी स्टेशन से प्रारंभ होगी। 5. कोटा-बीना मेमू (61633): यह ट्रेन दिनांक 26 एवं 27 अक्टूबर 2026 को बीना के स्थान पर मुंगावली स्टेशन पर आंशिक रूप से समाप्त होगी। 6. बीना-कोटा मेमू (11604): यह ट्रेन दिनांक 27 अक्टूबर 2026 को बीना के स्थान पर मुंगावली स्टेशन से प्रारंभ होगी। ट्रेनों के प्रारंभिक एवं गंतव्य स्टेशन में परिवर्तन 1. बीना-कटनी मुड़वारा मेमू (61619): यह ट्रेन दिनांक 27 अक्टूबर 2026 को बीना के स्थान पर महादेवखेड़ी स्टेशन से फ्लाईओवर मार्ग होकर 10:20 बजे प्रारंभ होगी।

2. कटनी मुड़वारा-बीना मेमू (61620): यह ट्रेन दिनांक 26 एवं 27 अक्टूबर 2026 को बीना के स्थान पर महादेवखेड़ी स्टेशन तक विस्तारित रहेगी। महादेवखेड़ी स्टेशन पर इसका निर्धारित आगमन समय 00:50 बजे रहेगा। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व अपनी ट्रेन के संचालन, परिवर्तित मार्ग तथा प्रारंभिक एवं गंतव्य स्टेशन की जानकारी रेलवे के आधिकारिक पूछताछ माध्यमों अथवा हेल्पलाइन नंबर 139 से प्राप्त कर लें।

त्योहारों के लिए ये रंग करें अपने कलेक्शन में शामिल

त्योहारों के सीजन में अगर आप घर या बाहर हर जगह अट्रैक्टिव लुक चाहती हैं तो इन 5 कलर की साड़ियों को जरूर पास में रखें।



हमारे मन में अक्सर सवाल रहता है कि आखिर रोजाना के कपड़ों में भी कैसे अट्रैक्टिव दिखा जाए। तो इसका जवाब है राइट कलर काम्बिनेशन। अपनी स्किन के मुताबिक अगर आप कुछ कलर काम्बिनेशन को पहनती हैं तो बिना किसी एक्स्ट्रा एफर्ट के ही खूबसूरत नजर आएंगी। अपनी आलमारी में इन 5 कलर की साड़ियों को जरूर रखें। जिसे आप किसी भी मौके पर पहनकर खूबसूरत नजर आएंगी।

ब्लैक कलर

अगर आप गॉर्जियस, स्लिम और ब्यूटीफुल दिखना चाहती हैं तो ब्लैक कलर की साड़ी को जरूर पास रखें।

ऑरेंज कलर

ऑरेंज कलर के कई सारे शेड्स आसानी से मिल जाते हैं। आप अपनी रंगत के हिसाब से ऑरेंज कलर की साड़ी को चुनें और पहनें। ऑरेंज कलर कई सारे मौकों पर फिट बैठती है। शादी,पार्टी से लेकर फेस्टिवल, पूजा जैसे मौकों पर अट्रैक्टिव दिखने के लिए ऑरेंज कलर की साड़ी जरूर पास रखें।

पेस्टल पिंक

पेस्टल पिंक या बेबी पिंक कलर की साड़ी को वॉर्डरोब में जरूर रखें। पिंक कलर का ये शेड महिलाओं पर खूब जंचता है और ज्यादातर मौकों पर परफेक्ट नजर आता है। फिर चाहे आप किसी ऑफिस पार्टी के लिए रेडी हो रही हों या फिर वेडिंग पार्टी में।



पीला कलर

पीले कलर के कुछ शेड्स भी स्किन टोन के हिसाब से अगर चुने जाएं तो वो खूबसूरत लगते है। त्योहार या डेली वियर में पीले कलर की साड़ी अट्रैक्टिव लुक देगी।

सिल्वर ग्रे

सिल्वर ग्रे कलर को क्लासी कलर्स में गिना जाता है। अगर आप क्लासी, रिच और सोबर लुक चाहती हैं तो सिल्वर ग्रे कलर की साड़ी को जरूर पहनें।

चेहरे की रंगत बदलेगी ईटिंग हैबिट

अपने खान पान में यदि ये शामिल कर लिया तो कोई नहीं लगा पायेगा आपकी उम्र का अंदाज

भला कौन नहीं चाहता की बढ़ती उम्र के साथ उसके चेहरे का ग्लो भी बना रहे। हम आपको बता रहे हैं अपनी डाइट में 5 बदलाव करने के बारे में। यदि आप इन्हें अच्छे से फॉलो करते हैं तो बढ़ती उम्र में भी आपके चेहरे की खूबसूरत वैसी की वैसी बनी रहेगी। खूबसूरत, जवान और फिट दिखना हर किसी की चाहत होती है, लेकिन उम्र पर कोई पहरा नहीं है और बढ़ती उम्र के साथ चेहरे की रंगत भी धीरे-धीरे कम होने ही लगती है। अब कोई अपनी बढ़ती हुई उम्र को तो रोक नहीं सकता लेकिन अपनी कुछ आदतों को बदलकर, बढ़ती उम्र की वजह से चेहरे व शरीर पर दिखने वाले लक्षणों जैसे फाइन लाइन्स, झुर्रियों आदि को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आज हम आपके साथ एक्सपर्ट्स की बताई गई कुछ ऐसी डाइट टिप्स शेयर करने वाले हैं जिनकी मदद से आप लंबे समय तक जवां और खूबसूरत बने रहेंगे।



छाछ और अलसी का करें सेवन

दही में कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन डी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। इसके साथ ही अलसी के बीज में ओमेगा 3 एसिड पाया जाता है। एक कप दही से बनी छाछ में, एक चम्मच अलसी के बीज का चूरा मिलाकर पीने से पेट की जलन, कब्ज और गैस की समस्या दूर होती है। इससे डाइजेशन अच्छा होता है। डाइजेशन अच्छा होने की वजह से चेहरे पर निखार खुद व खुद आ जाता है।

खाली पेट खाएं लहसुन

जब पेट स्वस्थ रहता है और आपका पाचन सही रहता है तो चेहरे पर अपने आप ग्लो आने लगता है। पाचन संबंधित समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए नियमित रूप से सुबह खाली पेट लहसुन की कली खानी चाहिए। आप लहसुन की एक कली का पेस्ट बनाकर पानी के साथ इसे खा सकती हैं। लहसुन खाने से पेट में कीड़े नही होते, पाचन सही रहता है और आंतों की सूजन खत्म होती है। यह पेट से नुकसानदायक बैक्टीरिया को खत्म करता है। और हमारा पेट यदि स्वस्थ होगा तो चेहरे पर निखार हमेशा बरकरार रहेगा।

चिया सीड्स से बढ़ाएं चेहरे की रंगत

चिया सीड्स में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। जिससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है और डाइजेशन पावर स्ट्रॉन्ग होती है। चिया सीड्स एक जेल जैसा कंपाउंड बनाता है, जो लैक्सेटिव की तरह वर्क करता है। इवनिंग मील में डेली चिया सीड्स का पानी पीने से पेट साफ रहता है, जिससे चेहरे पर ग्लो आता है।

हरी सब्जियों का सेवन करें

हरी सब्जियां स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है। मौसमी हरी सब्जियों में शरीर के लिए आवश्यक लगभग सभी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। सब्जियों को पका कर खाया जाए या कच्चा ही सलाद के रूप में इसका सेवन किया जाए, हर तरह से यह फायदेमंद ही होता है। नियमित रूप से हरी सब्जियों का सेवन करने से शरीर हेल्दी रहता है और बढ़ती उम्र के साथ भी चेहरे का निखार बना रहता है।

पेरेंटिंग

माता पिता की कुछ गलतियां बच्चे में ला सकती है हीन भावना

भूलकर भी न करें ये गलती, बनें बच्चों के सपोर्ट सिस्टम



बच्चे मन के कोमल होते हैं. वे जो बातें सुनते हैं, उन्हें जो जितना समझ आता है उसे ही सच मान बैठते हैं. ऐसे में अगर उनके बैकग्राउंड, समझ, लुक्स या अपनी पर्सनैलिटी पर किसी तरह का निगेटिव कमेंट किया जाता है तो वे काफी अंदर तक हिल जाते हैं और उनका आत्मविश्वास कम हो जाता है।



बच्चों में हीनभावना को दूर करने का काम माता-पिता बड़ी आसानी से कर सकते हैं. लेकिन क्या हो अगर माता-पिता की गलतियां हीं बच्चों के अंदर हीनभावना भर रहे हों! आइए जानते हैं कि किन गलतियों से बच्चों के अंदर हीनभावना जन्म लेने लगती है।

नकारात्मक लेबलिंग करनाः जब माता-पिता अपने बच्चों पर आलसी, बेवकूफ, कामचोर, गुस्सैल जैसे नकारात्मक लेबल्स लगाने लगते हैं तो इससे बच्चे का आत्म-सम्मान आहत होता है और वे खुद को इससे उबार नहीं पाते. जबकि उनके प्रयासों की सराहना करना, उन्हें प्रोत्साहित करना उनमें कुछ अच्छा करने का उत्साह भरता है. और इस तरह वे हीनभावना से बचे रहते हैं।

नकली प्रशंसा करनाः अगर आपका बच्चा गणित में 60 नंबर लाया है और आप रिश्तेदारों को बता रहे हैं कि उसने 100 में 90 लाया, तो आपके इस बर्ताव से बच्चों के मन में हीनभावना घर करने लगता है. इसलिए उनके प्रयासों की सराहना करें और झूठी तारीफ करने से बचें। लोगों के सामने बुरा बर्तावः कई माता-पिता सार्वजनिक रूप से अपने बच्चों को डाट लगा देते हैं, उनकी पिटाई करने लगते हैं या उन्हें बुरा-भला कहने लगते हैं. यही नहीं, उन्हें नीचा दिखाने का भी प्रयास करने लगते हैं. इससे बच्चों में हीनभावना भरने लगती है।

बेवजह की तुलना करनाः अगर आपकी भी आदत है कि अपने बच्चों की तुलना दूसरों से करने की, तो ऐसा करना आपके बच्चे में मन को कमजोर बनाता है और वे हीनभावना से ग्रस्त होने लगते हैं. बेहतर होगा कि माता-पिता अपने बच्चों के पर्सनैलिटी और अच्छी आदतों और गुणों की सराहना करें और तुलना से बचें। अधिक अपेक्षाएं पालनाः कई माता-पिता अपना सपना अपने बच्चों पर थोपने लगते हैं और अत्यधिक अपेक्षाएं करने लगते हैं. ऐसे में उनके छोटे प्रयासों या जीत को नजर-अंदाज करते जाते हैं. अधिक अपेक्षा करना उनके मानसिक सेहत को प्रभावित करता है और वे हीनभावना का शिकार हो जाते हैं।

इसलिए माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों के साथ इस तरह का व्यवहार न करें और उन्हें सकारात्मक माहौल दें. बच्चों के आत्म-सम्मान और मेंटल हेल्थ अच्छज्ञ रहेगा तो वे बेहतर प्रदर्शन कर पाएंगे और निगेटिव सोच से दूर रहकर आत्मविश्वास से भरे रहेंगे।

रेशम से बालों के लिए अपनाएं ये हेयर केयर प्रोडक्ट



वैसे तो हर कोई ये चाहता है कि उसके बाल लंबे, घने और चमकदार हों, लेकिन बढ़ते प्रदूषण की वजह से ऐसे बाल पाना काफी मुश्किल हो गया है। बालों का ध्यान रखने के लिए लोग सैलून जाकर तमाम तरह के हेयर ट्रीटमेंट कराते हैं। वैसे तो हर किसी के बालों की जरूरतें अलग-अलग होती हैं, लेकिन कुछ ऐसे हेयर केयर प्रोडक्ट्स होते हैं जो सभी के पास होने चाहिए। ताकि बाल स्वस्थ, मजबूत और खूबसूरत बने रहें।

इन प्रोडक्ट्स के साथ नियमित हेयर केयर रूटीन रखकर बालों को स्वस्थ, सुंदर और मजबूत बनाए रखे जा सकता है। ऐसे में सही प्रोडक्ट्स का चुनाव और उनका सही इस्तेमाल बालों की देखभाल में अहम भूमिका निभाता है। इसी के चलते यहां कुछ जरूरी हेयर केयर प्रोडक्ट्स की सूची दी गई है, जो हर किसी के पास होने चाहिए। अगर आप सही तरह से बालों का ध्यान रखना चाहते हैं तो अपने साथ ये हेयर केयर प्रोडक्ट अवश्य रखें।

सही शैंपू - अगर बालों की देखभाल सही से करना चाहते हैं तो सबसे पहले अपने बालों के टाइप के हिसाब से शैंपू का चयन करें। यह स्कैल्प और बालों को साफ रखने और बालों की समस्याओं से निपटने में मदद करता है। इसे खरीदते वक्त ध्यान रखें कि इसमें सल्फेट न हो।

कंडीशनर- बालों को नमी प्रदान करने के लिए कंडीशनर काफी अहम भाग है। ये आपके लंबे-घने बालों को हाइड्रेट करता है और उन्हें पोषण प्रदान करता है, जिससे बाल चमकदार और स्वस्थ दिखते हैं। इसे खरीदते वक्त भी अपने बालों के प्रकार का ध्यान रखें।

हेयर ऑयल- सही प्रकार का तेल आपके बालों को पोषण देने, जड़ों को मजबूत बनाने और बालों को प्राकृतिक चमक देने में मदद करता है। ऐसे में समय-समय पर बालों में मालिश करें और फिर इसका असर देखें।

हेयर सीरम- अगर आपके बाल काफी फ्रिजी हैं तब तो हेयर सीरम आपके लिए काफी जरूरी है। इसके अलावा अगर आपके बाल झड़ते हैं तो हेयर सीरम एक आवश्यक प्रोडक्ट है। यह बालों को स्मूद और चमकदार बनाता है, साथ ही उन्हें उलझने से बचाता है, जिससे बालों का झड़ना कम हो जाता है।

हेयर मास्क- बालों को अंदर तक नमी पहुंचाने के लिए हेयर मास्क मदद करता है। आप हफ्ते में एक बार सही हेयर मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। बस ध्यान रखें हेयर मास्क को अपने बालों के प्रकार के हिसाब से ही खरीदें।

मुरैना में हर वोट का अपना राजनीतिक अर्थ

प्रमुख दलों की ताकत: भाजपा का संगठन कांग्रेस की पकड़ और बसपा का प्रभाव

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

मुरैना की राजनीति को केवल भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबले के रूप में देखना पर्याप्त नहीं है। बसपा की मौजूदगी इस राजनीतिक तस्वीर को त्रिकोणीय बनाती है। भाजपा के पास मजबूत संगठनात्मक ढांचा है, कांग्रेस के पास स्थानीय राजनीतिक पकड़ और बसपा के पास अपना सामाजिक आधार। इन तीनों के बीच मुकाबले में स्थानीय मुद्दे आने वाले समय में मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण कारक रहेंगे। मुरैना में पेयजल का सवाल केवल गर्मी का मौसमी मुद्दा नहीं रह गया है। शहर में चंबल वाटर प्रोजेक्ट के जरिए दीर्घकालिक पेयजल व्यवस्था तैयार करने की योजना है, लेकिन परियोजना के निर्माण और पाइपलाइन से जुड़े सवाल लंबे समय से सामने आते रहे हैं। 2024 की रिपोर्ट के अनुसार परियोजना का उद्देश्य मुरैना शहर के हजारों परिवारों को चंबल नदी का पानी



उपलब्ध कराना था। ग्रामीण इलाकों में भी पेयजल संकट गंभीर राजनीतिक मुद्दा बन सकता है। जून 2026 में पहाड़गढ़ क्षेत्र से नियमित जलापूर्ति नहीं होने और ग्रामीणों द्वारा टैंकर के लिए पैसा खर्च करने की शिकायतें सामने आई। सबलगढ़ क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित होने से कई गांवों में पानी की व्यवस्था भी प्रभावित हुई। इसलिए सवाल केवल यह नहीं है कि पानी की योजना कितनी बड़ी है, बल्कि यह है कि घर के नल तक नियमित और पर्याप्त पानी कब पहुंचेगा। सड़क, नाली और जलभराव: शहर की रोजमर्रा की राजनीति मुरैना शहर में सड़क, नाली और जल निकासी जैसे मुद्दे सीधे नागरिकों के दैनिक जीवन से जुड़े हैं। 2026 में शहर के अलग-अलग हिस्सों में खराब सड़कों और जलभराव को लेकर शिकायतें सामने आई। कुछ इलाकों में लोगों ने लंबे समय से सड़क और नाली निर्माण लंबित होने की शिकायत की। राजनीतिक रूप से यह मुद्दा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सड़क और नाली का सवाल किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं रहता। व्यापारी, दुकानदार, वाहन चालक, महिलाएं, बुजुर्ग और विद्यार्थी—सभी इससे प्रभावित होते हैं। यही कारण है कि शहर की राजनीति में बड़ा सवाल यह बन सकता है कि घोषणाओं से आगे जाकर वार्ड स्तर पर कितना काम दिखाई देता है। मुरैना में उद्योग और रोजगार का सवाल तेजी से महत्वपूर्ण हो रहा है। मुख्यमंत्री की हालिया जिला विकास बैठक में औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन, फूड पार्क और स्थानीय युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण देने पर जोर दिया गया। राजनीतिक रूप से इसका अर्थ यह है कि अब केवल यह सवाल पर्याप्त नहीं होगा कि 'उद्योग आएगा या नहीं?' बल्कि युवा यह भी देखेंगे कि उद्योग आने पर स्थानीय लोगों को कितनी नौकरियां मिलती हैं और उनके लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था कितनी प्रभावी होती है। चंबल क्षेत्र से युवाओं का रोजगार के लिए बाहर जाना लंबे समय से चर्चा का विषय रहा है।

किसान सिंचाई: मुरैना की ग्रामीण राजनीति का केंद्र

मुरैना की अर्थव्यवस्था कृषि प्रधान है। जिले की बड़ी मात्रा में भूमि खेती के अधीन है और नहर, कुएं तथा ट्यूबवेल सिंचाई के प्रमुख साधन हैं। सरसों और गेहूं जैसी फसलें विशेष महत्व रखती हैं। इसलिए किसानों के लिए केवल फसल का भाव ही मुद्दा नहीं है। सिंचाई की उपलब्धता, बिजली, खाद-बीज, मंडी व्यवस्था, फसल का उचित मूल्य और मौसम से होने वाले नुकसान की भरपाई जैसे प्रश्न भी राजनीतिक चर्चा का हिस्सा बनते हैं। 2026 में अटल प्रगति पथ और चंबल क्षेत्र की जमीन के आवंटन को लेकर किसान संगठनों के आंदोलन ने यह दिखाया कि विकास परियोजनाओं और जमीन के सवाल के बीच संतुलन भी स्थानीय राजनीति का मुद्दा बन चुका है। उसी आंदोलन में कैलारस शक्कर कारखाने को फिर शुरू करने की मांग भी उठी।

चंबल की प्राकृतिक संपदा, चंबल अभयारण्य और चीता परियोजना से बढ़ी चंबल की पहचान



एक सत बुलेटिन, भिण्ड

मुरैना की पहचान केवल ऐतिहासिक विरासत और चंबल नदी तक सीमित नहीं है। राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य ने क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा और जैव विविधता को देश-दुनिया के सामने अलग पहचान दिलाई है। चंबल की स्वच्छ धारा, घड़ियाल, मगरमच्छ, डॉल्फिन और विभिन्न प्रजातियों के पक्षी इस क्षेत्र को प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए विशेष बनाते हैं।

इसी के साथ कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीता पुनर्स्थापन परियोजना ने पूरे चंबल अंचल के प्रति देश-दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। कूनो भले ही मुरैना जिले में स्थित नहीं है, लेकिन इसकी भौगोलिक निकटता और व्यापक चंबल क्षेत्र की प्राकृतिक पहचान के कारण इसका प्रभाव पूरे चंबल संभाग की पर्यटन संभावनाओं पर पड़ता है।

आज आवश्यकता है कि चंबल की प्राकृतिक विरासत, अभयारण्य और वन्यजीव संपदा को संरक्षण के साथ पर्यटन और स्थानीय रोजगार से जोड़ा जाए। यदि पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय समुदाय की भागीदारी और बेहतर पर्यटन सुविधाओं का संतुलित विकास किया जाए तो मुरैना सहित पूरे चंबल संभाग में प्रकृति आधारित पर्यटन नई आर्थिक संभावनाओं का माध्यम बन सकता है।

इतिहास, साहस और स्वाभिमान की पहचान

मुरैना केवल शहर नहीं, बल्कि इतिहास, साहस, संघर्ष और स्वाभिमान की जीवंत पहचान

एक सत बुलेटिन, मुरैना

मुरैना केवल एक शहर नहीं, बल्कि इतिहास, साहस, संघर्ष और स्वाभिमान की जीवंत पहचान है। चंबल की धरती ने इस क्षेत्र को एक अलग मिजाज, अलग संस्कृति और अदम्य जज्बा दिया है। कहते हैं, चंबल का पानी ही कुछ अलग है—यहां की मिट्टी में साहस है, लोगों के स्वभाव में बेबाकी है और अपनी पहचान के प्रति गहरा स्वाभिमान है। यही विशेषताएं मुरैना को देशभर में एक अलग पहचान दिलाती हैं। प्राचीन विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों, लोकसंस्कृति और चंबल की अनूठी भौगोलिक पहचान से समृद्ध मुरैना आज भी अपनी परंपराओं



और जुझारू जीवनशैली के लिए जाना जाता है। मुरैना की पहचान उसकी मिट्टी से है, उसकी ताकत उसके लोगों से है, और उसका गौरव उसकी ऐतिहासिक विरासत से है। चंबल की लहरों से लेकर मुरैना की धरती तक—यह क्षेत्र अपने साहस, स्वाभिमान और विशिष्ट पहचान की कहानी खुद कहता है।

चंबल की माटी, साहस की पहचान

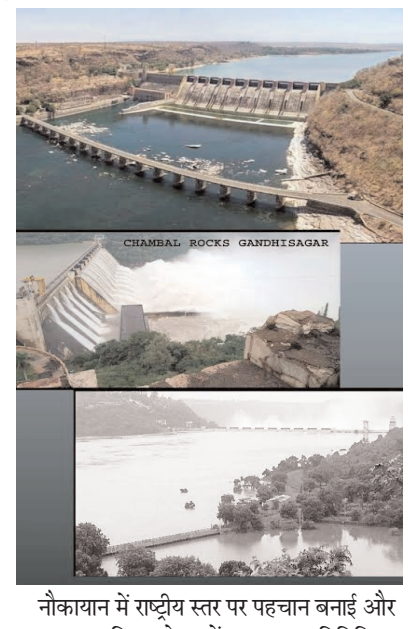
मुरैना। मुरैना को केवल नक्शे पर दर्ज एक शहर के रूप में देखना उसके इतिहास और पहचान के साथ न्याय नहीं होगा। यह वह धरती है, जिसने सदियों से संघर्ष, साहस, स्वाभिमान और जीवटता की अनेक कहानियां अपने भीतर संजोई हैं। चंबल के किनारे बसा मुरैना अपनी विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों, समृद्ध ऐतिहासिक विरासत और अपनी अलग सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान के कारण देशभर में जाना जाता है। चंबल का पानी और यहां की मिट्टी अक्सर यहां के लोगों के स्वभाव से जोड़कर देखे जाते हैं। बेबाकी, निर्भीकता और विपरीत परिस्थितियों से जूझने का जज्बा मुरैना की लोकछवि का हिस्सा रहा है। हालांकि किसी क्षेत्र की पहचान को केवल कुछ रूढ़ छवियों तक सीमित करना उचित नहीं होगा। मुरैना और उसके आसपास का क्षेत्र प्राचीन स्थापत्य एवं पुरातात्विक विरासत से भी समृद्ध है। बटेश्वर के मंदिर समूह, मितावली और पड़ावली जैसी ऐतिहासिक धरोहरें इस बात का प्रमाण हैं कि चंबल अंचल केवल संघर्ष की कहानियों के लिए ही नहीं, बल्कि कला, स्थापत्य और ज्ञान की परंपरा के लिए भी महत्वपूर्ण रहा है। मुरैना की पहचान को उसके अतीत की चर्चाओं से आगे ले जाकर उसके वर्तमान और भविष्य से जोड़ा जाए। ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण और आधुनिक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार—ये वे क्षेत्र हैं, जिन पर गंभीरता से काम किया जाना चाहिए।

मुरैना की कहानी केवल बीहड़ों और चंबल की रवानी तक सीमित नहीं

चंबल का पानी ही नहीं, यहां की प्रतिभाओं में भी है कुछ अलग बात

एक सत बुलेटिन, मुरैना

मुरैना को अक्सर चंबल की धरती, साहस और संघर्ष के लिए जाना जाता है। लेकिन मुरैना की कहानी केवल बीहड़ों और चंबल की रवानी तक सीमित नहीं है। इस मिट्टी ने ऐसे अनेक प्रतिभाशाली लोगों को जन्म दिया है, जिन्होंने अपनी मेहनत, प्रतिभा और संकल्प के दम पर राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। मुरैना की धरती से निकले आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा आज देशभर में युवाओं के लिए संघर्ष और सफलता की प्रेरक कहानी बन चुके हैं। मुरैना जिले के बिलगवां से जुड़े मनोज शर्मा के जीवन पर आधारित फिल्म '12th Fail' ने उनकी संघर्ष यात्रा को देश के सामने पहुंचाया। खेल के क्षेत्र में पान सिंह तोमर का नाम भी मुरैना की पहचान से जुड़ा है। वे राष्ट्रीय स्तर के एथलीट रहे और भारत का एशियाई खेलों में प्रतिनिधित्व किया। आज की पीढ़ी में भी यह परंपरा आगे बढ़ रही है। मुरैना के किसान परिवार से निकले रविंद्र शर्मा ने भारतीय नौसेना में स्थान बनाने के साथ



नौकायान में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई और 2026 एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित हुए। वहीं मुरैना के अंबाह क्षेत्र की बेटी कृष्णा शर्मा ने हॉकी के अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचकर यह साबित किया कि चंबल की बेटियां भी खेलों की दुनिया में अपना परचम फहरा सकती हैं। 2026 में उनके एशिया कप अभियान का उल्लेख सामने आया। इन उदाहरणों को जोड़कर देखें तो मुरैना की तस्वीर और व्यापक दिखाई देती है। यहां प्रतिभा की कमी कभी नहीं रही; जरूरत रही है उसे सही मंच, बेहतर प्रशिक्षण और अवसर देने की। विधानसभा में भी मुरैना के पहलवानों के लिए आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं की आवश्यकता का मुद्दा उठाया गया है। मुरैना की ऐतिहासिक विरासत भी इस क्षेत्र की क्षमता की गवाही देती है। बटेश्वर, मितावली और पड़ावली जैसे स्थापत्य स्मारक बताते हैं कि यह धरती सदियों से कला, स्थापत्य और सृजन की भूमि रही है। आज आवश्यकता है कि मुरैना के युवाओं की इस ऊर्जा को शिक्षा, खेल, विज्ञान, तकनीक, प्रशासन, उद्यमिता और कला के नए अवसरों से जोड़ा जाए। जिस चंबल की धरती ने संघर्ष करना सिखाया है, वही धरती आने वाली पीढ़ी को दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी दे सकती है।

सीईओ वीर सिंह चौहान ने किया गौशाला और निर्माणाधीन जनपद भवन का निरीक्षण



भिण्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत भिण्ड श्री वीर सिंह चौहान ने आज जनपद पंचायत मेहगांव एवं गोहद क्षेत्र के विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया। उन्होंने छीमका एवं खनेता गौशालाओं में पहुंचकर गोवंश की देखभाल, स्वच्छता, भोजन व्यवस्था तथा संचालन की जमीनी स्थिति का अवलोकन किया। गौशालाओं में गोवंश को बेहतर व्यवस्था से रखने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने ग्राम देवरी में स्वामित्व योजना के अंतर्गत चल रहे रजिस्ट्री कार्य की प्रगति भी देखी। योजना का उद्देश्य ग्रामीण निवासियों को आवासीय संपत्ति का दस्तावेजीकरण और कानूनी स्वामित्व प्रदान करना है। इसके पश्चात उन्होंने निर्माणाधीन जनपद पंचायत भवन मेहगांव का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य को निर्धारित गुणवत्ता एवं समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों को कहा गया कि जन-उपयोगी निर्माण कार्यों में कोई लापरवाही न हो।

सहकारी सचिव के सहायक के घर से राशन बरामद, कलेक्टर भिण्ड के तत्पर एक्शन से दुकान सील

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

भिण्ड जिले के अटेर विकासखंड के ग्राम निवारी में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में अनियमितता की दिनांक 24 अक्टूबर 2026 को शाम को कलेक्टर भिण्ड श्री पवन कुमार जैन को शिकायत प्राप्त हुई कि ग्राम पंचायत निवारी में सहकारी समिति के सचिव वीरेंद्र यादव के सहायक मनोज बघेल द्वारा पीडीएस के ट्रक से अपने घर पर राशन सामग्री उतारी गई है। कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए एसडीएम अटेर श्री विनोद सिंह को जांच के निर्देश दिए। एसडीएम अटेर ने सुबह 11:30 बजे ग्राम निवारी बघेलन के पुरा स्थित मनोज कुमार बघेल के घर का निरीक्षण किया। यहां घर के अंदर दो टंकियों में गेहूं और बैठक कक्ष में मध्यप्रदेश सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन की नौ बोरियों में गेहूं पाया गया। इसके अलावा आंगनवाड़ी में वितरित



होने वाले आटा-बेसन लड्डू प्रिमिक्स और गेहूं सोया बर्फी प्रिमिक्स की दो पैक बंद बोरियां भी बरामद हुई। मौके पर 13 बोरी बाजरा, दो बोरी सरसों तथा सिविल सप्लाई कॉर्पोरेशन की खाली बोरियां भी मिलीं। सामग्री रखे कमरे को सील कर दिया गया। इसके बाद दोपहर 12:30 बजे ग्राम निवारी की उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया गया, जो रामनरेश शर्मा के निजी मकान में संचालित पाई गई। गोदाम में 44 बोरी चावल और 172 बोरी गेहूं मिले। मनोज बघेल ने बताया कि 24 अक्टूबर को 26 बोरी चावल, 75 बोरी गेहूं और छह बोरी नमक उतारी गई थी। दुकान का कमरा भी सील कर दिया गया। मामले में संबंधित व्यक्तियों पर सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2015 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कार्रवाई की जाएगी। आमजन से अपील है कि ऐसी गड़बड़ी की सूचना तत्काल दें; शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

मिशन वात्सल्य के तहत् चलाया जा रहा है बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान

भिण्ड। कलेक्टर श्री पवन कुमार जैन के निर्देशन में एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री महेन्द्र सिंह अम्भ के मार्गदर्शन में जिला भिण्ड अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन वात्सल्य के तहत बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिला स्तर पर भिक्षावृत्ति उन्मूलन हेतु दल गठित किया गया है जिसमें महिला बाल विकास, विशेष किशोर पुलिस इकाई, श्रम विभाग के प्रतिनिधि शामिल हैं। उक्त दल प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर और ऐसे क्षेत्र जहां भिक्षावृत्ति की संभावना है, भ्रमण करता है और बालकों का चिन्हांकन कर पुनर्वास की कार्रवाई करता है। उक्त निर्देशों के क्रम में धार्मिक एवं सार्वजनिक स्थान रौन में भ्रमण किया गया तथा रेली का आयोजन कर जन जागरूकता का प्रचार-प्रसार कर बाल भिक्षावृत्ति के संबंध में दुकानदारों, हाथ ठेलों और मंदिर के पुजारी एवं धार्मिक कार्य से संबंधित प्रमुख व्यक्तियों को भिक्षावृत्ति से संबंधित जानकारी दी जाकर उन्हें अवगत कराया गया एवं प्रचार-प्रसार हेतु पोस्टर कैलेंडर और पेम्पलेट्स भी वितरित किए गए।



कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय भिण्ड का किया निरीक्षण, आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने दिए निर्देश

मरीजों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता: कलेक्टर

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

कलेक्टर भिण्ड श्री पवन कुमार जैन ने गत दिवस रात्रि लगभग 10:30 बजे जिला चिकित्सालय भिण्ड का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, वार्डों की व्यवस्थाओं, सुरक्षा, यातायात एवं स्वच्छता की स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पी.आई.सी.यू. एवं पीडियाट्रिक वार्ड में भर्ती बच्चों की अधिक संख्या को देखते हुए कलेक्टर ने मरीजों की समुचित देखभाल एवं उपचार सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा उपचार व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। कलेक्टर श्री जैन ने जिला चिकित्सालय परिसर में अनुपयोगी घोषित शासकीय आवासों को तत्काल रिक्त कराने के निर्देश भी दिए, ताकि परिसर में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जा सके। अस्पताल में एकल निकासी मार्ग के कारण आवागमन में होने वाली असुविधा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने निकासी के लिए वैकल्पिक स्थान चिन्हित करने तथा यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के निर्देश दिए। अस्पताल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अनाधिकृत वाहनों की पार्किंग पर प्रभावी नियंत्रण रखने और वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही



खड़ा कराने के निर्देश दिए। साथ ही वार्डों में अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने तथा मरीजों एवं उनके परिजनों के आवागमन को व्यवस्थित रखने पर जोर दिया, जिससे मरीजों के उपचार में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सालय की सफाई व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने स्वच्छता के स्तर को बनाए रखने के साथ-साथ चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार करने और मरीजों को समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सिविल सर्जन को निर्देशित किया कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को सुरक्षित, सुगम एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों का गंभीरतापूर्वक पालन करते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं में सुधार सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री वीर सिंह चौहान, सिविल सर्जन डॉ आर.के. मिश्रा, सहायक प्रबंधक साकेत चौरसिया के साथ-साथ अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय कार्यशाला में पुस्तक लेखन, प्रामाणिक संदर्भ सामग्री और विद्यार्थी-केंद्रित गतिविधियों पर हुआ मंथन

भारतीय परंपरा पर आधारित पुस्तक से शिक्षा और जीवन को मिलेगी सार्थक दिशा: कोठारी

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

उच्च शिक्षा विभाग एवं मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, भोपाल में आयोजित दो दिवसीय पुस्तक लेखन कार्यशाला का रविवार को समापन हुआ। कार्यशाला में भारतीय ज्ञान परंपरा को उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों एवं पुस्तकों में समाहित करने, प्रामाणिक संदर्भ सामग्री के उपयोग तथा गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक साहित्य के सृजन पर विषय विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया। समापन सत्र में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि कार्यशाला का सफल आयोजन पुस्तक लेखन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में सफल जीवन के साथ-साथ जीवन को सार्थक बनाने के सूत्र भी निहित हैं। इस परंपरा पर आधारित विषयों के व्याख्यानों को सुनना और उनके विचारों को समझना चाहिए, क्योंकि इनमें जीवन को सार्थक बनाने का संदेश समाहित है। केवल सफल होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि जीवन का सार्थक होना अधिक महत्वपूर्ण है। भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित नई शिक्षा नीति जीवन को सार्थक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने निरंतर अकादमिक रुचि विकसित करने पर भी जोर दिया। इस अवसर पर मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के निदेशक श्री अशोक कड़ेल ने बताया कि अकादमी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के बौद्धिक और व्यावहारिक ज्ञान को समाहित करते हुए 17 लाख से अधिक पुस्तकों का प्रकाशन कर उन्हें विद्यार्थियों तक पहुंचाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि आगामी शैक्षणिक सत्रों में भारतीय ज्ञान परंपरा की समग्रता पर आधारित पाठ्यपुस्तकें तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इन पुस्तकों के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुख शिक्षा प्रदान करने के साथ स्वावलंबन की भावना को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि शिक्षा ज्ञानवर्धन के साथ उनके व्यावहारिक जीवन और आजीविका के लिए भी उपयोगी बने।



कार्यशाला के दूसरे दिन शिक्षाविद् डॉ. चांदकिरण सलूजा ने पुस्तक लेखन में ऐसी गतिविधियों को शामिल करने की आवश्यकता बताई, जिनसे विद्यार्थियों में सामूहिक कार्य, स्वतंत्र चिंतन और विश्लेषण की क्षमता विकसित हो। उन्होंने पुस्तकों को कार्यपुस्तिका के स्वरूप में तैयार करने, विद्यार्थियों को स्वयं प्रश्न बनाने एवं उत्तर लिखने के अवसर देने तथा परिस्थिति-आधारित प्रश्नों और अभ्यासों को शामिल करने पर बल दिया। उन्होंने पाठ्य सामग्री के लिए पुरातात्विक प्रमाणों के उपयोग की आवश्यकता भी रेखांकित की। शिक्षाविद् डॉ. मीनाक्षी ने वैदिक गणित की परंपरा और भारतीय साहित्य में गणितीय अवधारणाओं के उल्लेख पर प्रकाश डाला। उन्होंने विभिन्न साहित्यिक संदर्भों के माध्यम से भारतीय गणितीय ज्ञान की परंपरा को समझाया। इसके बाद पुस्तक लेखन से जुड़े विभिन्न विषयों पर लेखकों और विषय विशेषज्ञों के बीच चर्चा हुई। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए पुस्तकें तैयार करने, संदर्भ ग्रंथों के लेखन, उपयुक्त शब्दावली के चयन एवं प्रामाणिक स्रोतों के उपयोग से जुड़े प्रश्नों पर डॉ. चांदकिरण सलूजा और डॉ. रमेश भारद्वाज ने मार्गदर्शन दिया। विषयों को शामिल करते हुए विषयवार कार्यशालाएं आयोजित करने पर भी विचार-विमर्श हुआ।

राज्य मंत्री कृष्णा गौर ने एकलव्य मॉडल रेसिडेंशियल स्कूल में विद्यार्थियों के साथ सुना 'मन की बात' का 139वां एपिसोड

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने कहा है कि युवा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति सदैव जागरूक रहें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र केवल एक शासन व्यवस्था मात्र नहीं है, अपितु यह हमारे देश की सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का आधार है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर भोपाल स्थित एकलव्य मॉडल रेसिडेंशियल स्कूल में विद्यार्थियों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय एवं जन-उन्मुख कार्यक्रम 'मन की बात' के 139वें एपिसोड के लाइव श्रवण एवं उसके बाद आयोजित विद्यार्थियों की भाषण प्रतियोगिता कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे भारतीय संविधान के मूल्यों एवं समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं के प्रति निष्ठा एवं सम्मान की भावना को अपने जीवन में आत्मसात करें। उन्होंने कहा कि देश की युवा शक्ति लोकतंत्र की सुदृढ़ता और राष्ट्र के नवनिर्माण की सबसे मुख्य कर्णधार है। इसके लिए प्रत्येक युवा का अपने नागरिक कर्तव्यों, संवैधानिक अधिकारों एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति निरंतर सजग रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को एक जागरूक, उत्तरदायी तथा राष्ट्रहित के प्रति पूर्णतः समर्पित नागरिक बनने की प्रेरणा दी। 'मन की बात' कार्यक्रम के लाइव प्रसारण के उपरांत विद्यालय परिसर में 'लोकतंत्र बनाम अराजकता' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अत्यंत उत्साह एवं ऊर्जा के साथ सहभागिता की। संवैधानिक चेतना के संरक्षण तथा अराजकता से समाज एवं राष्ट्र को होने वाले दुष्परिणामों पर प्रखर शैली में अपने विचार प्रस्तुत किए।

महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का दिया संदेश

पिंकाथन डे, 150 प्रतिभागियों ने लगाई दौड़, 5 से 70 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



महिलाओं के स्वास्थ्य, फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार को भोपाल में पिंकाथन डे 2026 का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इसमें लगभग 150 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पांच वर्ष के बच्चों से लेकर 70 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने दौड़ में भाग लेकर फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। आयोजन में महिलाओं के साथ पुरुषों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम का आयोजन लायंस ऑफ भोपाल के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर लायंस ऑफ भोपाल के संयोजक लायन हरिओम जटिया और लायंस क्लब के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन महेश मालवीय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का फ्लैग ऑफ अरुणेश्वर सिंह देव और नीरज गुलाटी ने किया। फेमिना मिस इंडिया मध्य प्रदेश 2026 धनुश्री चौहान और एवरेस्ट फतह करने वाली पर्वतारोही अंजना यादव ने प्रतिभागियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। नियमित व्यायाम, सक्रिय दिनचर्या और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता जीवन को बेहतर बना सकती है।

भोपाल में चौथी बार हुआ आयोजन

पिंकाथन की शुरुआत अभिनेता एवं फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन ने महिलाओं को स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से की थी। भोपाल की पिंकाथन एम्बेसडर प्रीति खरे और ऋचा पाराशर ने बताया कि शहर में चौथी बार पिंकाथन का आयोजन किया गया है। देश के 65 शहरों में एक साथ आयोजित पिंकाथन डे के माध्यम से लोगों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। पिंकाथन केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाने और समाज में फिटनेस की संस्कृति विकसित करने का अभियान है। इसमें विभिन्न आयु वर्गों की भागीदारी इस बात का संदेश देती है कि स्वस्थ रहने और शारीरिक गतिविधियों को अपनाने की कोई उम्र नहीं होती। इस दौरान महिलाओं से अपील की गई कि वे परिवार और कार्यक्षेत्र की जिम्मेदारियों के साथ अपने स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दें।

मध्यप्रदेश की बाग प्रिंट कला श्रीलंका में बिखेरेगी अपनी छटा

धार के शिल्पकार मोहम्मद आरिफ खत्री को 'सीलोन क्राफ्ट वीक 2026' में भागीदारी का आमंत्रण

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**



मध्यप्रदेश की समृद्ध पारंपरिक हस्तशिल्प कला अब अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान को और सशक्त करने जा रही है। धार जिले के बाग के प्रसिद्ध शिल्पकार श्री मोहम्मद आरिफ खत्री को श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित होने वाले 'इंडो-श्रीलंका सीलोन क्राफ्ट वीक 2026' अंतर्राष्ट्रीय हस्तशिल्प व्यापार मेले में भागीदारी के लिए आमंत्रित किया गया है। यह आयोजन 29 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक आयोजित होगा। श्री खत्री की भागीदारी से मध्यप्रदेश की विश्वप्रसिद्ध बाग प्रिंट कला को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने और भारतीय पारंपरिक शिल्प की विशिष्टता को श्रीलंका के दर्शकों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। प्राकृतिक रंगों, पारंपरिक तकनीकों और विशिष्ट छपाई शैली के लिए पहचान रखने वाली बाग प्रिंट कला मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन का संयुक्त आयोजन श्रीलंका सरकार के उद्योग एवं उद्यमिता विकास मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय शिल्प परिषद तथा कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग के स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र द्वारा किया जा रहा है। मेले का उद्देश्य भारत और श्रीलंका के बीच पारंपरिक शिल्पकला एवं सांस्कृतिक विरासत के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना है। इस आयोजन में केवल हस्तनिर्मित एवं हथकरघा उत्पादों के प्रदर्शन की अनुमति है। इससे बाग प्रिंट के पारंपरिक हस्तनिर्मित वस्त्रों और शिल्प उत्पादों को अपनी विशिष्ट पहचान प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। बाग प्रिंट केवल वस्त्रों पर छपाई की कला नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश की पीढ़ियों से चली आ रही शिल्प परंपरा, कौशल और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। यह सहभागिता मध्यप्रदेश के पारंपरिक शिल्पकारों की प्रतिभा और उनकी कला की अंतर्राष्ट्रीय संभावनाओं को रेखांकित करती है।

दादाजी धाम में शरद पूर्णिमा पर बरसी भक्ति की अमृतधारा, लड्डू गोपाल को खीर का भोग

भोपाल। रायसेन रोड स्थित पटेल नगर के दादाजी धाम मंदिर में रविवार को शरद पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। सुबह से रात तक आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर परिसर श्रीकृष्ण के जयकारों, वैदिक मंत्रोच्चार और भजन-कीर्तन से भक्तिमय हो गया।



कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9:30 बजे श्री गुरु गीता और हनुमान चालीसा के पाठ से हुई। श्रद्धालुओं ने परम पूज्य दादाजी गुरुदेव के चरणों में नमन कर परिवार की सुख-शांति और जनकल्याण की कामना की। शाम को आरती के बाद महिला मंडल और श्रद्धालुओं ने सामूहिक भजन-कीर्तन किया। शरद पूर्णिमा के विशेष अनुष्ठान के तहत भगवान लड्डू गोपाल को मंदिर परिसर में भ्रमण कराया गया। इसके बाद खुले आसमान के नीचे विराजमान कर उनका विशेष पूजन किया गया। मंदिर के पुजारी पंडित राजेंद्र पलिया ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना कराई। भगवान को खीर का भोग अर्पित किया गया। धार्मिक परंपरा के अनुसार खीर को चंद्रमा की शीतल चांदनी में रखा गया और बाद में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। शरद पूर्णिमा के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व आध्यात्मिक चेतना, भक्ति और सद्भाव का संदेश देता है।

स्वदेशी वस्तुओं के इस्तेमाल से मजबूत होगी देश की अर्थव्यवस्था : बकुल लाड



■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

स्वदेशी उत्पादों को खरीदने से देश का पैसा देश में ही रहेगा और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी उद्देश्य से 'वोकल फॉर लोकल' का नारा दिया है। यह बात स्वदेशी मेले के तीसरे दिन अतिथि बकुल लाड ने कही। शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय परिसर में स्वदेशी जागरण मंच और स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन की ओर से आयोजित यह मेला 4 नवंबर तक चलेगा। अतिथि किशन सूर्यवंशी ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों को अपनाना जरूरी है। केवल स्वदेशी की बात करना पर्याप्त नहीं, इसे व्यवहार में भी उतारना होगा। लोगों को मेले में आकर उत्पादों की खरीदारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत रक्षा उपकरणों से लेकर चिप और जहाज निर्माण तक के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। संजय नागेश ने कहा कि देश की राजनीतिक मजबूती के साथ आर्थिक मजबूती भी जरूरी है।

महापौर मालती राय ने शरद पूर्णिमा पर चल समारोह का किया शुभारंभ



भोपाल। शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर रविवार को महापौर श्रीमती मालती राय ने श्री राधा-कृष्ण मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर चल समारोह का शुभारंभ किया। इसके बाद वे चल समारोह में भी शामिल हुईं। आयोजन में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर जोन अध्यक्ष श्रीमती विनीता सोनी, हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी, चेतन भार्गव, आशीष ठाकुर, अवनि शर्मा, शरण खटीक और नारायण कुशवाह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश पुलिस की नशे के अवैध कारोबार के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

भोपाल देहात में 37 लाख रूपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

प्रदेश को नशामुक्त बनाने तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, परिवहन, विक्रय एवं खेती पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मंदसौर, भोपाल देहात, अलीराजपुर एवं पांढुर्णा पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाइयों में एमडी ड्रग्स, डोडाचूरा एवं गांजे के पौधे जब्त कर अवैध मादक पदार्थों के कारोबार के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की है। इन जिलों में पुलिस ने कार्रवाइयों के दौरान 37 लाख 16 हजार 500 रुपए मूल्य के मादक पदार्थ एवं अन्य संपत्ति जब्त की है। मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ अवैध खेती के मामलों में भी वैधानिक कार्रवाई की गई है। मंदसौरः 25 लाख रुपये की एमडी ड्रग्स सहित तस्करी में प्रयुक्त सामग्री जब्त जिले के थाना भानपुरा पुलिस ने गरोठ-भानपुरा आम रोड पर कार्रवाई करते हुए 250 ग्राम एमडी ड्रग्स, जिसकी अनुमानित कीमत 25 लाख रुपए है, तथा 5 किलोग्राम डोडाचूरा, जिसकी कीमत 10 हजार है, जब्त किया।

पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त बिना नंबर की मोटरसाइकिल एवं दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी जब्त किए। इस कार्रवाई में कुल 25 लाख 75 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की है। प्रकरण में मादक पदार्थों की आपूर्ति से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। भोपाल देहातः एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपी गिरफ्तार भोपाल देहात के थाना परवलिया सड़क पुलिस ने मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 12.63 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की, जिसकी अनुमानित कीमत 1 लाख 50 हजार रुपये है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल एवं मोबाइल फोन भी जब्त किए। इस कार्रवाई में पुलिस ने लगभग 3 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है। अलीराजपुरः कपास की फसल के बीच गांजे की अवैध खेती का पर्दाफाश जिले में थाना सोंडवा सहित पांच थानों की संयुक्त पुलिस टीम ने ग्राम छोटी हथवी के पटेल फलिया में कार्रवाई करते हुए खेत में कपास एवं अन्य फसलों के बीच उगाए जा रहे गांजे के पौधों की अवैध खेती का पर्दाफाश किया। पुलिस ने मौके से गांजे के 280 पौधे जब्त किए, जिनका कुल वजन 142 किलोग्राम तथा अनुमानित कीमत 7 लाख 10 हजार रुपये है। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पांढुर्णाः मकान के पीछे बाड़े में उगाए जा रहे गांजे के पौधे जब्त जिले के थाना मोहगांव पुलिस ने ग्राम डुडुवानी में एक मकान के पीछे स्थित बाड़े में उगाए जा रहे गांजे के पौधे को जब्त किया। जब्त पौधे का वजन लगभग 26.300 किलोग्राम तथा अनुमानित कीमत 1 लाख 31 हजार 500 रुपये है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, परिवहन, विक्रय एवं खेती में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में की जा रही ऐसी कार्रवाइयों के माध्यम से न केवल अवैध मादक पदार्थों की बरामदगी की जा रही है, बल्कि तस्करी में प्रयुक्त वाहनों एवं अन्य सामग्री को भी जब्त किया जा रहा है। पुलिस द्वारा प्रकरणों की विवेचना के दौरान मादक पदार्थों की आपूर्ति एवं वितरण से जुड़े नेटवर्क की पहचान करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।



स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)-474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोनः 0755-4515227, मोबाइलः 9691653088